VOLUME-8, No.-3
JULY, 2024

सीयूओ न्यूज़लेटर | CUO Newsletter

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय

CENTRAL UNIVERSITY OF ODISHA

(A Central University established by an Act of Parliament)

कोरापुट | KORAPUT

www.cuo.ac.in

VISITOR

Her Excellency

Smt. Droupadi Murmu

The President of India

Shri Narendra Modi

Hon'ble Prime Minister of India

Shri Dharmendra Pradhan

Hon'ble Education Minister

Dr. Sukanta Majumdar

Hon'ble Minister of State for Education

Shri Jayant Chaudhary

Hon'ble Minister of State for Education

Prof. P V Krishna Bhatta

Hon'ble Chancellor

Central University of Odisha

Prof. Chakradhar Tripathi

Hon'ble Vice-Chancellor

Central University of Odisha

Volume - 8, No. - 3
JULY, 2024

संपादक मंडल

संरक्षक

प्रोफेसर डॉ. चक्रधर त्रिपाठी

कुलपति

अध्यक्ष

प्रो. एन. सी. पंडा

भाषा संकायाध्यक्ष

समन्वयक

डॉ. फगुनाथ भोई

जनसंपर्क अधिकारी

संपादक - मंडल

प्रो. भरत कुमार पंडा

प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग

डॉ. निर्झरिणी त्रिपाठी

एसोसिएट प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी भाषा और साहित्य विभाग

डॉ. चक्रधर पधान

एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग

डॉ. देवब्रत पंडा

सहा. प्रोफेसर, डीबीसीएनआर

डॉ. मिनती साहू

सहा. प्रोफेसर एवं प्रभारी विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट

(संसद के अधिनियम 2009 द्वारा स्थापित एक केंद्रीय विश्वविद्यालय)

सुनाबेड़ा, एनएडी पोस्ट ऑफिस, कोरापुट-763004, ओड़िशा, भारत

प्रकाशक

डॉ. एन.सी. पंडा

प्रभारी कुलसचिव

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट-763004

5 जुलाई, 2024 को प्रकाशित

मुद्रक

सैली प्रेस प्रा. लिमिटेड,

4ए, मानिकतला मेन रोड, कोलकाता-700054

ई-मेल: Saileepress@yahoo.com

वेबसाइट: www.cuo.ac.in | ईमेल: info@cuo.ac.in

Volume - 8, No. - 3
JULY, 2024

EDITORIAL BOARD

Patron
Prof. Dr. Chakradhar Tripathi
Vice-Chancellor

Chairman
Prof. N. C. Panda
Dean, School of Languages

Coordinator
Dr. Phagunath Bhoi
Public Relation Officer

Editorial Board

Prof. Bharat Kumar Panda
Professor & HoD, Dept. of Education

Dr. Nirjharini Tripathy
Associate Professor & HoD, Dept. of English Language and Literature

Dr. Chakradhar Padhan
Associate Professor & HoD, Dept. of Hindi

Dr. Debabrata Panda
Asst. Professor, DBCNR

Dr. Minati Sahoo
Asst. Professor & HoD I/c., Dept. of Economics

CENTRAL UNIVERSITY OF ODISHA, KORAPUT
(A Central University established by an Act of Parliament)
Sunabeda, NAD Post Office, Koraput-763004, Odisha, India

Published by
Dr. N.C. Panda
Registrar I/c.
Central University of Odisha, Koraput-763004

Published on 5th July, 2024

Printed at
Sailee Press Pvt. Ltd.,
4A, Manicktala Main Road, Kolkata – 700054
E-mail: saileepress@yahoo.com

Website : www.cuo.ac.in | Email : info@cuo.ac.in

Volume - 8, No. - 3
JULY, 2024

विषय-सूची

कुलपति जी की कलम से	05
कुलपति महोदय की शैक्षणिक गतिविधियां	07
सीयूओ और गंगाधर मेहेर विश्विद्यालय के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर	08
ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय का गवर्नमेंट अचीवमेंट्स एंड स्किम्स एक्सपो-2024, नयी दिल्ली में उत्कृष्ट प्रदर्शन	09
दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी - 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: चुनौतियाँ और अवसर'	10
रवींद्रनाथ टैगोर की 163 वीं जयंती	11
सीयूओ के सदस्यों की विशिष्ट अधिगम विकलांगता के परिप्रेक्ष्य में 'क्षमता निर्माण कार्यक्रम' में भागीदारी	12
10 वाँ अंतरराष्ट्रीय योग-दिवस	13
हिंदी साहित्य सम्मेलन का 75वाँ अधिवेशन	14
राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के कार्यान्वयन पर यूजीसी अध्यक्ष के साथ सीयूओ संकाय सदस्यों की बातचीत	16
बारिश की फुहारों से विश्वविद्यालय परिसर में नया शैक्षणिक सत्र हुआ सुहावना	17
ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय का अत्याधुनिक शैक्षणिक भवन निर्माण के अंतिम चरण में	18
स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि	19
ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में एससी और ओबीसी छात्रों के लिए मुफ्त सिविल सेवा की कोचिंग शुरु	20
खेती की देशी पद्धति को समझने के लिए सीयूओ के विद्यार्थियों का केंद्रीय मवेशी प्रजनन फार्म, सुनाबेड़ा का भ्रमण	21
राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पारम्परिक क्रीडा-उत्सव के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विकास की झाँकी	22
स्वभाव कवि गंगाधर मेहेर की शताब्दी पुण्यतिथि	23
अंग्रेजी भाषा और साहित्य विभाग में विशिष्ट व्याख्यान शृंखला	24
गुरु पूर्णिमा उत्सव	24
पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय के छात्रों के लिए आदर्श पाठ का प्रदर्शन	25
पर्यावरण बोध के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर	26
ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में वन-महोत्सव	26
विशेष व्याख्यान - राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और शिक्षाशास्त्र के मध्य सैद्धांतिक संबंध : एक विश्लेषण	27
कारगिल विजय दिवस	27
पद्मश्री कमला पुजारी को श्रद्धांजलि	28
ऑनलाइन पाठ्यक्रम	29
संस्कृत व्याकरण विषय पर विशेष व्याख्यान	29
विश्व वैज्ञानिक रैंकिंग - 2024 के वैज्ञानिक सूचकांक में सीयुओं के सदस्यों का स्थान	30
संकाय उपलब्धि	30
छात्रों की उपलब्धि	31
नयी नियुक्ति	31
समाचार पत्रों में सीयूओ	36

Volume - 8, No. - 3
JULY, 2024

Contents

FROM THE DESK OF THE VICE-CHANCELLOR	05
ACADEMIC ACTIVITIES OF VICE-CHANCELLOR	07
CUO SIGNS MOU WITH GM UNIVERSITY	08
CENTRAL UNIVERSITY OF ODISHA SHINES AT GOVERNMENT ACHIEVEMENTS & SCHEMES EXPO-2024, NEW DELHI	09
TWO-DAY NATIONAL SEMINAR ON NEP 2020: CHALLENGES AND OPPORTUNITIES	10
COMMEMORATION OF 163RD BIRTH ANNIVERSARY OF RABINDRANATH TAGORE	11
CUO TEAM PARTICIPATES IN MOE CAPACITY BUILDING PROGRAMME ON SLD IN NEW DELHI	12
CELEBRATION OF 10TH INTERNATIONAL DAY OF YOGA	13
75TH NATIONAL CONVENTION OF HINDI SAHITYA SAMMELAN	14
CUO FACULTY INTERACTING WITH UGC CHAIRMAN ON NEP 2020 IMPLEMENTATION	16
MONSOON MAGIC: UNIVERSITY CAMPUS SPRINGS TO LIFE AS NEW ACADEMIC SESSION BEGINS	17
CENTRAL UNIVERSITY OF ODISHA'S STATE-OF-THE-ART ACADEMIC BUILDING NEARS COMPLETION, PROMISING NEW PROGRAMS AND GROWTH	18
OBSERVATION OF SWAMI VIVEKANANDA'S DEATH ANNIVERSARY	19
FREE CIVIL SERVICES COACHING FOR SC AND OBC STUDENTS COMMENCES AT CENTRAL UNIVERSITY OF ODISHA	20
EXPLORING AGRICULTURAL PRACTICES: A FIELD VISIT TO CENTRAL CATTLE BREEDING FARM, SUNABEDA	21
CELEBRATING CULTURAL HERITAGE: CUO TO HOST NATIONAL AND INTERNATIONAL TRADITIONAL SPORTS FESTS	22
NATIONAL SEMINAR ON THE OCCASION OF DEATH CENTENARY OF SWABHABKABI GANGADHAR MEHER	23
DEPARTMENT OF ENGLISH LANGUAGE & LITERATURE: DISTINGUISHED LECTURE SERIES	24
CELEBRATION OF GURU PURNIMA	24
MODEL LESSON DEMONSTRATION FOR PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA STUDENTS	25
INSPIRING NSS CAMP FOR ENVIRONMENTAL RESPONSIBILITY	26
CENTRAL UNIVERSITY OF ODISHA CELEBRATES 'VANA MAHOTSAV': 200 SAPLINGS PLANTED FOR ENVIRONMENTAL AWARENESS	26
A SPECIAL LECTURE ON "CONNECTIVITY BETWEEN PEDAGOGY AND PRINCIPLES OF NEP2020: AN ANALYSIS	27
OBSERVATION OF KARGIL VIJAY DIVAS	27
CENTRAL UNIVERSITY OF ODISHA PAYS TRIBUTE TO PADMA SHRI KAMALA PUJARI	28
MASSIVE OPEN ONLINE COURSES (MOOCs)	29
DEPARTMENT OF SANSKRIT HOSTS SPECIAL LECTURE ON SANSKRIT GRAMMAR	29
FACULTY AND STAFF MEMBERS OF CUO ARE RANKED IN AD SCIENTIFIC INDEX FOR WORLD SCIENTIST RANKING-2024	30
FACULTY ACHIEVEMENT	30
STUDENT ACHIEVEMENT	31
NEW JOINING	31
CUO IN NEWS	36

कुलपति जी की क़लम से

From the Desk of
The Vice-Chancellor

तप्त धरती के कठोर पटल पर जब बारिश की स्नेहिल फुहार झमा-झम अपनी क्रियाशीलता में मग्न हो जाती है तो समयचक्र नई संभावनाओं का द्वार खोल जाता है। परिवर्तन की यह शाश्वत प्रक्रिया अपने अंदर संघर्ष और सफलता के ऐसे बीज-तत्वों को समेटे हुए है जिसमें मानव-जीवन के विकास का संदेश निहित है। ऋतुचक्र के परिवर्तनगामी सत्य की पहचान करते हुए विद्यार्थी जब अपने जीवन की गतिशीलता की परख करते हैं तब उनके अंदर उन्मेष की चेतना जाग्रत हो उठती है। चेतनशीलता की यही प्रक्रिया जीवन के 'सत्यम शिवम् सुंदरम्' से साक्षात्कार करवाती है। तकनीक के पंख पर सवार होकर जीवन सदैव उड़ान भरने को उद्धत रहता है; लेकिन व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र की आवश्यकताओं के अनुरूप जब हम 'स्व' का मूल्यांकन करते हैं तो इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि मानवता को विजयिनी बनाए बिना वैयक्तिकता विजयिनी नहीं हो सकती है। मानव-जीवन का सारतत्व भी यही है। इसीलिए 'वसुधैव कुटुंबकम्' भारत की सार्वभौमिक चिंतन-पद्धति रही है। आज के तकनीकी युग में शिक्षा के क्षेत्र में नैतिकता की शून्यता का दायरा बहुत बढ़ चुका है। इसी अभाव को दूर करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा-नीति में भारतीय शिक्षा-पद्धति को भारतीय ज्ञान-संपदा से जोड़ने की विशेष पहल की गई है। इसी परिप्रेक्ष्य में विश्वविद्यालय की विकासोन्मुख दृष्टि को इस प्रकार समायोजित करना है जिससे भारतीय ज्ञान-संपदा के सारतत्वों को विद्यार्थी अपने ज्ञानार्जन का मुख्य संबल बना सकें। इसके लिए आवश्यक है - शोधपरक दृष्टि का पूर्ण परिपाक। इस क्षेत्र में सिद्धहस्तता ही 'स्व' को स्थापित करने की कुंजी होगी।

मैं कामना करता हूँ कि नवनियुक्त सदस्यों सहित विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्य इस दिशा में सकारात्मक ऊर्जा के साथ अग्रसर होंगे। मैं सीयूओ परिवार के प्रत्येक सदस्यों की समृद्धि की आकांक्षा व्यक्त करता हूँ।

प्रोफेसर चक्रधर त्रिपाठी
कुलपति
ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट

कुलपति जी की क़लम से

From the Desk of
The Vice-Chancellor

When the first drops of rain touch the hot and rigid surface of earth with a mighty force and get indulged in its creative venture, the cycle of time paves the way for novel avenues of possibilities. This eternal process of change has engulfed within it the eternal structure of struggle and success that consists the message of evolution of human life.

When the student realises about this continuity of life by observing the process of change through the cycle of seasons then the spirit of upliftment emerges within the self. This very process of awareness enables one to witness the concept of 'satyam-shivam-sundaram', i.e. truth-goodness-beauty.

Life always aspires to fly with the wings of technology; but when we verify the self on the basis of the requirements of individual, family and nation then we reach to the conclusion that without making humanity victorious the individuality can never be victorious. The basic principle of human life is too the same. That is why the idea of 'Vasudhaiba Kutumbakam', i.e. the globe as a family, has always been the core of the collective consciousness of Bharat.

The absence of ethical values in the field of academics has extended too far in the era of technology. To address this gap special attempt has been made in the New Education Policy by connecting Indian education system with Indian knowledge system.

In this context the progressive process of the university need to be carried out in such a way that the students can use the resources of Indian knowledge system as the main resources for their knowledge gaining process. The presence of proper research aptitude is the basic requirement for this. The expertise in this regard is the key to establish the concept of 'swa', i.e. selfhood.

I wish that the teaching fraternity of the university alongwith the newly inducted members would contribute positively and continuously in this direction. I too wish for the well-being and integral prosperity of each and every member of the CUO family.

Professor Chakradhar Tripathi
Vice-Chancellor
Central University of Odisha, Koraput

कुलपति महोदय की शैक्षणिक गतिविधियाँ
ACADEMIC ACTIVITIES OF VICE-CHANCELLOR

छत्तिसगढ़ के महामहिम राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन जी के साथ ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी

Prof. Chakradhar Tripathi, Hon'ble Vice-Chancellor of CUO with His Excellency Shri Bishwabhusan Harichandan, Governor of Chhattisgarh.

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो० चक्रधर त्रिपाठी संबालपुर विश्वविद्यालय के 33 वे दीक्षांत समारोह में माननीय कुलपति प्रो० विधुभूषण मिश्र से सम्मान प्राप्त करते हुए।

Hon'ble Vice-Chancellor of Central University of Odidha Prof. Chakradhar Tripathi being felicitated by Hon'ble Vice-Chancellor of Sambalpur University Prof. Bidhu Bhushan Mishra at the 33rd Convocation ceremony of Sambalpur University on 8th of April, 2024.

प्रो. चक्रधर त्रिपाठी, माननीय कुलपति, सीयूओ, डी.डी. विश्वविद्यालय क्योंझर परिसर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-२०२० पर 'अतिरिक्त भित्ति व्याख्यान' देते एवं सम्मान प्राप्त करते हुए।

Hon'ble Vice-Chancellor of CUO Prof. Chakradhar Tripathi getting felicitated and delivering an Extramural Lecture at the D.D. University, Keonjhar.

सीयूओ और गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।

प्रो. चक्रधर त्रिपाठी, माननीय कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय और प्रो. एन.नागाराजु, माननीय कुलपति, गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय १८ जुलाई २०२४ को सीयूओ कुलपति कार्यालय में समझौता ज्ञापन एक दूसरे से साझा करते हुए। सीयूओ के कुलसचिव, प्रो. एन.सी.पंडा और पद्मश्री, प्रो. दमयंती बेसरा इस ऐतिहासिक क्षण के गवाह बने।

CUO SIGNS MOU WITH GM UNIVERSITY

Hon'ble Vice-Chancellor of Central University of Odisha, Prof. Chakradhar Tripathi and Hon'ble Vice-Chancellor of Gangadhar Meher University, Prof. N. Nagaraju signed a Memorandum of Understanding (MoU) on 18 July 2024, in the office of the Vice-Chancellor at CUO main campus, Sunabeda. The event was witnessed by Prof. N. C. Panda, Registrar I/C of CUO, and Padma Shri Prof. Damayanti Besra.

गवर्नमेंट अचीवमेंट्स एंड स्कीम्स एक्सपो-2024, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय को उत्कृष्ट उच्च शिक्षा में प्रथम पुरस्कार मिला।

स्थान: प्रगति मैदान, नई दिल्ली, दिनांक: 20-22 जुलाई 2024

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूओ) को गवर्नमेंट अचीवमेंट्स एंड स्कीम्स एक्सपो-2024 में उत्कृष्ट उच्च शिक्षा पुरस्कार की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ । एन.एन.एस मीडिया ग्रूप द्वारा नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित एक्सपो में सीयूओ ने यह पुरस्कार प्राप्त किया। 20 से 22 जुलाई, 2024 तक आयोजित इस एक्सपो में देश के उच्च शिक्षण-संस्थानों द्वारा की गई उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया था।

डॉ. गुरजीत सिंह वालिया, डॉ. ज्योतिस्क दत्ता, डॉ. रविता पाठक और डॉ. एलिसा मोहंती ने सीयूओ का प्रतिनिधित्व किया । इस दल ने माननीय मंत्रियों, आईआईटी, केंद्रीय विश्वविद्यालयों सहित शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों, मीडिया कर्मियों, छात्रों और आम जनता के सामने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को रखा।

माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय परिवार के साथ-साथ सभी शुभचिंतकों को इस विशिष्ट उपलब्धि और विश्वविद्यालय के विकास में उत्कृष्ट योगदान देने वाले लोगों की सराहना करते हुए बधाई दी । उन्होंने यह उम्मीद जताई कि शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के मार्गदर्शन और सहयोग से विश्वविद्यालय सफलता की नई ऊंचाइयों पर पहुँचेगा ।

CENTRAL UNIVERSITY OF ODISHA SHINES AT GOVERNMENT ACHIEVEMENTS & SCHEMES EXPO-2024, NEW DELHI

Venue: Pragati Maidan, New Delhi, Date: 20-22 July 2024

The Central University of Odisha (CUO) made a notable mark at the Government Achievements & Schemes Expo-2024 securing the first prize in the "Providing Excellent Higher Education" category on 21 July 2024. Organized by NNS Media Group, the expo was held at Pragati Maidan, New Delhi, from July 20th to 22nd, 2024, and showcased a variety of accomplishments and initiatives from across the country.

The CUO delegation included Dr. Gurjeet Singh Walia, Dr. Jyotiska Datta, Dr. Ravita Pathak, and Dr. Elisa Mohanty. The team engaged with ministers, representatives from educational institutions including IITs and Central Universities, media personnel, students, and the general public.

The Hon'ble Vice-Chancellor Prof. Chakradhar Tripathi appreciated and congratulated the University community and all the stakeholders for their outstanding contributions towards this achievement and the development of the University. The CUO is witnessing newer heights of success through the guidance and cooperation of the Ministry of Education, Govt. of India.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: चुनौतियाँ और अवसर विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन

स्थान: सीयूओ कैंपस, सुनाबेड़ा, दिनांक: 01-02 मई 2024

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूओ) सुनाबेड़ा परिसर में 1-2 मई, 2024 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: चुनौतियाँ और अवसर विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। भारतीय शिक्षण मंडल और शिक्षा विभाग, सीयूओ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षा के अवसरों को समान बनाने संबंधी तथ्यों से विद्यार्थियों को अवगत कराना तथा सीयूओ के विभागों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देना था।

संगोष्ठी का प्रारंभ सीयूओ के कुलपति, प्रो चक्रधर त्रिपाठी की अध्यक्षता में हुई। भारतीय शिक्षण मंडल के राष्ट्रीय आयोजन सचिव श्री बीआर शंकरानंद मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। संत गहिरा गुरु सरगुजा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. रोहिणी प्रसाद ने भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने संबंधी बहुमूल्य सुझाव दिया।

प्रथम दिन शिक्षा विभाग के छात्रों द्वारा कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। इसके आयोजन सचिव डॉ. रामेंद्र कुमार पाढ़ी ने कुशलतापूर्वक सेमिनार का संचालन किया। अन्य विशिष्ट अतिथियों में सीयूओ के कुलसचिव प्रो. एन.सी. पंडा; भरत कुमार पंडा विभागाध्यक्ष शिक्षा विभाग; भारतीय शिक्षण मंडल पदाधिकारियों में डॉ. उमेश कुमार सिंह, श्री अक्षुण्ण गायकवाड़ आदि उपस्थित थे। इस संगोष्ठी ने शिक्षा जगत के नेतृत्वकर्ताओं को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफल कार्यान्वयन के लिए उनके अनुभवों एवं रणनीतियों को साझा करने का एक मंच प्रदान किया।

TWO-DAY NATIONAL SEMINAR ON NEP 2020: CHALLENGES AND OPPORTUNITIES

Venue: CUO Campus, Sunabeda, Date: 01-02 May 2024

The Central University of Odisha (CUO) hosted a two-day National Seminar on "National Education Policy 2020: Challenges and Opportunities" at its Sunabeda Campus from May 1-2, 2024 organized by the Department of Education in collaboration with Bharatiya Shikshan Mandal, the event aimed to foster dialogue and collaboration among CUO's Heads of Departments (HoDs). The seminar commenced with a session chaired by Hon'ble Vice-Chancellor of CUO, Prof. Chakradhar Tripathi, and featured Sh. B. R. Shankaranand, National Organizing Secretary of Bharatiya Shikshan Mandal, as a key speaker.

Prof. Rohini Prasad, former Vice-Chancellor of Sant Gahira Guru Sarguja University, also contributed valuable insights on implementing NEP 2020.

The first day included the inauguration of an Art Exhibition by Education Department students. Dr. Ramendra Kumar Parhi, the Organising Secretary, efficiently coordinated the seminar. Other distinguished guests included Prof. N.C. Panda, Registrar of CUO; Prof. Bharat Kumar Panda, Head of the Department of Education; Dr. Umesh Kumar Singh; and Sh. Akhun Gaykuard of Bharatiya Shikshan Mandal. The seminar provided a platform for academic leaders to share their experiences and strategies for the successful implementation of NEP 2020.

रवींद्रनाथ टैगोर की 163वीं जयंती मनाई गई

स्थान: सीयूओ कैंपस, सुनाबेड़ा, दिनांक: 08 मई 2024

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 8 मई, 2024 को एक विशेष कार्यक्रम के तहत नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर की 163वीं जयंती मनाई गई। कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने रवींद्रनाथ टैगोर की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि ज्ञापित किया। इस अवसर पर जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधन विभाग प्रमुख एवं डीन प्रो. शरत कुमार पालिता, समाज शास्त्र विभाग प्रमुख डॉ. कपिल खेमूंडू, ओड़िसा विभाग प्रमुख डॉ. रुद्राणी मोहांति, डॉ. काकोली बनर्जी सहित विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। यह कार्यक्रम रवींद्रनाथ टैगोर का भारतीय संस्कृति और साहित्य की समृद्धि में विशेष योगदान के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि थी।

COMMEMORATION OF 163RD BIRTH ANNIVERSARY OF RABINDRANATH TAGORE

Venue: CUO Campus, Sunabeda, Date: 08 May 2024

The Central University of Odisha celebrated the 163rd birth anniversary of Nobel laureate Rabindranath Tagore with a special event on 08 May 2024. Prof. Chakradhar Tripathi, the Hon'ble Vice-Chancellor, led the tribute by laying flowers at Tagore's portrait. He was joined by distinguished figures including Prof. Sharat Kumar Palita, Dean of the School of Biodiversity and Conservation of Natural Resources, Dr. Kapila Khemundu, Associate Professor and Head of the Department of Sociology, Dr. Rudrani Mohanty, Associate Professor and Head of the Department of Odia, and Dr. Kakoli Banerjee, Assistant Professor in the Department of Biodiversity and Conservation of Natural Resources. The event was a heartfelt homage to Tagore's immense contributions to culture and literature.

विशिष्ट अधिगम विकलांगता के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा मंत्रालय द्वारा नयी दिल्ली में आयोजित 'क्षमता निर्माण कार्यक्रम' में सीयूओ के सदस्यों की भागीदारी

स्थान: एनआईईपीए, नई दिल्ली, दिनांक: 16-17 मई 2024

राष्ट्रीय शौक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान नयी दिल्ली में अखिल भारतीय स्तर के महत्वपूर्ण शिक्षण संस्थानों एवं केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। इस संगोष्ठी में विशिष्ट अधिगम विकलांगता के संदर्भ में 'क्षमता निर्माण कार्यक्रम' संबंधी विशेष जानकारी हेतु 16-17 मई, 2024 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पाँच प्राद्यापकों ने भाग लिया।

डॉ. कपिल खेमेंडु, डॉ. निखिल गौड़ा, डॉ. गुरजित सिंह वालिया, डॉ. ज्योतिस्क दत्त और डॉ. आंजनेय थोटापल्ली सीयूओ का प्रतिनिधित्व करते हुए 'क्षमता निर्माण कार्यक्रम' का हिस्सा बने। इस संगोष्ठी में सीयूओ के प्रतिनिधिगण विचारोत्तेजक उपस्थिति दर्ज कर अमिट छाप छोड़ी।

CUO TEAM PARTICIPATES IN MOE CAPACITY BUILDING PROGRAMME ON SLD IN NEW DELHI

Venue: NIEPA, New Delhi, Date: 16-17 May 2024

A team of five faculty member of Central University of Odisha attended a two-day "Capacity Building Development Programme on Specific Learning Disabilities" (SLD) in person for the representatives of Institutions of National Importance and Central Universities from 16-17 May 2024 in NIEPA, New Delhi. The programme was organised by the Department of Higher Education, Ministry of Education coordinated by National Institute of Educational Planning and Administration (NIEPA).

Dr. Kapil Khemendu, Dr. Nikhil Kumar Gouda, Dr. Gurjeet Singh Walia, Dr. Jyotisha represented CUO for specific areas of capacity building.

The programme was graced by Ms. Rina Sonowal, Joint Secretary, Ministry of Education (MoE); Professor Aarti Srivastava, the Programme Director for Zone -2 of institutes; Shri AN. Reddy, the Programme Coordinator among others.

The team of CUO made its presence felt in the programme through its thought provoking interventions in the form of questions, suggestions and solutions to specific problems faced by students of specific learning disabilities and higher education institutions in accommodating them.

१०वें अंतरराष्ट्रीय योग-दिवस का भव्य आयोजन

स्थान: सीयूओ कैंपस, सुनाबेड़ा, दिनांक: 21 जून 2024

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 21 जून, 2024 को योग फॉर सेल्फ एंड सोसाइटी थीम पर एक भव्य कार्यक्रम के साथ 10वाँ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी, कुलसचिव (प्रभारी) प्रो. एन.सी. पंडा और योग विशेषज्ञ श्री जय कृष्ण पधान ने सम्मिलित रूप से किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, कर्मचारियों, छात्रों और अतिथियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम में सरकारी हाई स्कूल, सुनाबेड़ा और जगन्नाथ विद्यापीठ, सुनाबेड़ा के शिक्षक और बच्चे शामिल थे।

इस आयोजन के केंद्र में श्री जय कृष्ण पधान के नेतृत्व में संचालित योग कार्यशाला था। इस कार्यशाला में योग के नियम के अनुरूप प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया गया। उपस्थित लोगों ने भ्रामरी, ध्यान, शीतली, कपालभाति, नाड़िशोधन, सेतु बंधासन, बक्रासन, भद्रासन, अर्ध चक्रासन और ताड़ासन आदि का अभ्यास करते हुए घुटने और कंधे संबंधी योगासन भी किया। इस कार्यक्रम में स्वागत भाषण डॉ. मिनती साहू, सहायक अध्यापक, अर्थशास्त्र विभाग एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सर्वेश्वर बारिक, सहायक प्राध्यापक, गणित विभाग ने किया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की इस प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि स्वस्थ समाज और व्यक्ति का निर्माण योग के माध्यम से ही हो सकता है।

CELEBRATION OF 10TH INTERNATIONAL DAY OF YOGA

Venue: CUO Campus, Sunabeda, Date: 21 June 2024

The Central University of Odisha celebrated the 10th International Day of Yoga on 21 June 2024, with a grand event themed "Yoga for Self and Society." The program was inaugurated by Hon'ble Vice-Chancellor Prof. Chakradhar Tripathi, alongside Registrar I/c Prof. N. C. Panda and Yoga Expert Sri Jaya Krishna Padhan. The

event saw enthusiastic participation from university faculty, staff, students, and guests, including teachers and children from Government High School, Sunabeda, and Jagannath Bidya Pitha, Sunabeda.

A key highlight was a Yoga Workshop led by Sri Jaya Krishna Padhan, who guided participants through various asanas in line with the Common Yoga Protocol. Attendees practiced poses such as Bhramari, Dhyana, Sitali, Kapalabhati, Nadisodhan, Setu Bandhasana, Bakrasana, Bhadrasana, Ardha Chakrasana, and Tadasana, along with knee and shoulder exercises.

The event began with a welcome address by Dr. Minati Sahoo, Assistant Professor of Economics, and concluded with a vote of thanks by Dr. Sarbeswar Barik, Assistant Professor of Mathematics, who also coordinated the program. The celebration reinforced the university's commitment to promoting holistic well-being and community health through yoga.

हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग का 75वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन

स्थान: सीयूओ कैंपस, सुनाबेड़ा, दिनांक: 23-25 जून 2024

हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग का ७५वाँ (अमृत महोत्सव) अधिवेशन 23, 24 और 25 जून, 2024 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूओ), कोरापुट के मुख्य परिसर में सम्पन्न हुआ। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग और सीयूओ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ था। इस कार्यक्रम में देश भर के प्रख्यात साहित्यकारों, शिक्षाविदों और हिंदी-सेवी प्रतिनिधियों ने अत्यंत उत्साह के साथ भाग लिया ।

अधिवेशन का उद्घाटन रविवार, 23 जून को शाम 5:00 बजे हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व प्रति कुलपति प्रो. आर.एस. सर्राजु, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी और स्वागताध्यक्ष के रूप में सीयूओ के माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी उपस्थित थे। मंच पर सीयूओ के प्रभारी कुलसचिव एन.सी. पंडा, हिंदी साहित्य सम्मेलन के प्रधानमंत्री श्री कुंतक मिश्र, हिंदी साहित्य सम्मेलन के साहित्य मंत्री प्रो. रामकिशोर शर्मा, हिंदी साहित्य सम्मेलन के मंत्री श्री शेष मणि पांडे, समन्वयक प्रो. हेमराज मीणा, सीयूओ के सह प्राध्यापक डॉ. चक्रधर पधान और सहायक प्राध्यापक डॉ. मनोज कुमार सिंह उपस्थित थे।

यह सम्मेलन तीन प्रमुख सत्रों में विभाजित था: साहित्य परिषद, राष्ट्रभाषा परिषद और समाजशास्त्र परिषद। रेवेंशॉ कॉलेज (संप्रति रेवेंशॉ विश्वविद्यालय), कटक के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अजय पटनायक, आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम में हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. एस.एम. इकबाल और सीयूओ के शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रो. भरत कुमार पंडा ने उपर्युक्त सत्रों की अध्यक्षता की।

हिंदी साहित्य सम्मेलन ने प्रो. चक्रधर त्रिपाठी, प्रो सुनील बाबुराव कुलकर्णी और डॉ. अजय कुमार पटनायक को प्रतिष्ठित 'साहित्य वाचस्पति' पुरस्कार से सम्मानित किया, जो हिंदी भाषा में उनके उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देते हुए सम्मेलन का सर्वोच्च सम्मान है।

इसके अतिरिक्त, श्री मनमोहन गोयल, श्री सुशील कुमार पात्र, डॉ. भगवान त्रिपाठी, श्री चरण सिंह मीणा, डॉ. चक्रधर पधान, डॉ. मनोज कुमार सिंह, प्रो हेमराज मीणा, डॉ. मनोहर मयूर जमुना देवी, प्रो. रामकुमार मिश्रा, डॉ माली पटेल श्रीनिवास राव, प्रो. विभाष चंद्र झा, डॉ. अखिलेश निगम अखिल और डॉ. लोकेश्वर प्रसाद सिन्हा आदि को 'सम्मेलन सम्मान' से सम्मानित किया गया । यह सम्मेलन हिंदी भाषा, साहित्य और संस्कृति का उत्सव था । यह हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित करने के साथ-साथ देश-विदेश में हिन्दी को सम्मान जनक स्थान दिलाने का एक विशिष्ट आयोजन था ।

75TH NATIONAL CONVENTION OF HINDI SAHITYA SAMMELAN

Venue: CUO Campus, Sunabeda, Date: 23-25 June 2024

The 75th Amrit Mahotsav Convention of the Hindi Sahitya Sammelan, Prayag, took place on 23, 24, and 25 June 2024, at the serene campus of Central University of Odisha (CUO), Koraput. This three-day event was a collaborative effort between the Hindi Sahitya Sammelan, Prayag, and CUO, bringing together eminent litterateurs, educationists, and Hindi-Sevi representatives from across the country.

The Sammelan was inaugurated on Sunday, 23 June, at 5:00 p.m. The Chief Guest of the event was Prof. R.S. Sarraju, former Pro-Vice Chancellor of the Central University of Hyderabad. Prof. Sunil Baburao Kulkarni, Director of the Central Institute of Hindi, Agra, served as the Chairman, and Prof. Chakradhar Tripathi, Hon'ble Vice Chancellor of CUO, was the inaugural Speaker. The dais was graced by Prof. N. C. Panda, Registrar I/c., CUO, Shri Kuntak Mishra, Pradhan Mantri of the Hindi Sahitya Sammelan, Professor Ramkishore Sharma, Literature Minister of Hindi Sahitya Sammelan, Shri Shesh Mani Pandey, Minister of Hindi Sahitya Sammelan, Prof. Hemraj Meena, Coordinator, Dr. Chakradhar Padhan, Associate Professor, CUO, and Dr. Manoj Kumar Singh, Assistant Professor, CUO.

The convention comprised three key sessions: Sahitya Parishad, Rashtra Bhasha Parishad, and Samaja Sastra Parishad. Dr. Ajay Patnaik, former Head of the Department of Hindi at Ravenshaw College, Cuttack, Prof. S.M. Iqbal, former Head of the Department of Hindi at Andhra University, Visakhapatnam, and Prof. Bharat Kumar Panda, Head of t he Department of Education at CUO, chaired these sessions.

The Hindi Sahitya Sammelan honored Prof. Chakradhar Tripathi, Prof. Sunil Baburao Kulkarni, and Dr. Ajay Kumar Patnaik with the prestigious 'Sahitya Vachaspati' award, the highest accolade of the Sammelan, recognizing their outstanding contributions to the Hindi language. Additionally, the Sahitya Vachak Shruti and Conference Samman awards were presented to distinguished honorees including Shri Manmohan Goyal, Shri

Sushil Kumar Patra, Dr. Bhagwan Tripathi, Shri Charan Singh Meena, Dr. Chakradhar Pradhan, Dr. Manoj Kumar Singh, Prof. Hemraj Meena, Dr. Manohar Mayur Jamuna Devi, Prof. Ramkumar Mishra, Dr. Mali Patel Srinivasa Rao, Prof. Vibhash Chandra Jha, Dr. Akhilesh Nigam Akhil, and Dr. Lokeshwar Prasad Sinha.

This convention was a celebration of Hindi literature and culture, fostering intellectual exchange and honoring those who have significantly contributed to the promotion and preservation of the Hindi language.

सीयूओ संकाय सदस्यों की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन पर यूजीसी अध्यक्ष के साथ बातचीत

स्थान: होटल किरणश्री ग्रांड, गुवाहाटी, असम, दिनांक: 28 जून 2024

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के संकाय सदस्यों ने गुवाहाटी, असम में 28 जून, 2024 को राष्ट्रीय शिक्षा-नीति के कार्यान्वयन के संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रो. ममीडाला जगदेश कुमार के साथ बातचीत की। यह बातचीत पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के लिए कुलपतियों के सम्मेलन के दौरान हुई, जिसका आयोजन यूजीसी और प्रागज्योतिषपुर विश्वविद्यालय, असम के संयुक्त तत्वावधान में हुआ था। नागालैंड विश्वविद्यालय ने प्रमुख समन्वयक के रूप में अपनी भूमिका निभाई । यह कार्यक्रम गुवाहाटी के होटल किरणश्री ग्रैंड में हुआ।

इस कार्यक्रम में ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए पत्रकारिता और जनसंचार विभाग से डॉ सौरव गुप्ता, समाजशास्त्र विभाग से डॉ नूपुर पटनायक और शिक्षा विभाग से डॉ गगन बिहारी सुआर उपस्थित थे। सीयूओ की टीम माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी के निर्देशन में विशेष तौर पर चयनित थी। प्रो. भरत कुमार पंडा (राष्ट्रीय शिक्षा नीति समन्वयक) ने सीयूओ की ओर से कार्यक्रम का समन्वय किया था।

CUO FACULTY PARTICIPATED IN NEP 2020 AT GUWAHATI

Venue: Hotel Kiranshree Grand, Guwahati, Assam, Date: 28 June 2024

Faculty members from Central University of Odisha, Koraput, interacted with Prof. Mamidala Jagadesh Kumar, Chairman of the University Grants Commission, New Delhi, regarding the implementation of the National Education Policy on 28 June 2024, in Guwahati, Assam. This interaction was part of the Vice Chancellors'

Conference for Eastern and North Eastern India, organized by the UGC and Pragjyotishpur University, Assam, with Nagaland University as the lead coordinator. The event took place at Hotel Kiranshree Grand in Guwahati.

Representing CUO at the event were Dr. Sourav Gupta from the Department of Journalism and Mass Communication, Dr. Nupur Pattanaik from the Department of Sociology, and Dr. Gagana Bihari Suar from the Department of Education. The team from CUO was nominated and expertly mentored by Prof. Chakradhar Tripathi, Hon'ble Vice Chancellor of CUO. Prof. Bharat Kumar Panda, NEP Coordinator, coordinated the event on behalf of CUO.

बारिश की बूंदों से विश्वविद्यालय परिसर में नया शैक्षणिक सत्र हुआ सुहावना

वर्षा ऋतु आते ही विश्वविद्यालय परिसर का परिवेश सुहावना हो जाता है। लंबी छुट्टी के बाद १ जुलाई से नये सत्र के शुरुआत होते ही परिसर जीवंत हो उठा है। मानो बारिश की फुहार छात्र और शिक्षक दोनों को बाँह फैलाकर स्वागत करने के लिए तैयार खड़ी है। हवा में बारिश की फुहार, मिट्टी की सोंधी महक और कोने-कोने में फैली हरियाली से चारों तरफ एक ऐसा मनोरम वातावरण तैयार हो गया है जो कि पढ़ने-पढ़ाने के लिए एक आदर्श स्थान है।

कक्षाएं शुरू हो चुकी हैं। बारिश की फुहारों से मन इतना शांत और प्रफुल्लित हो जाता है कि छात्र अपनी पढ़ाई में गहराई से डूबने के लिए उत्सुक हो जाते हैं। बारिश की टप-टपाती बूंदे और आसमान में उमड़ते-घूमड़ते बादल शैक्षणिक गतिविधियों के लिये मन में सुकून प्रदान करने वाले क्षण और प्रसन्नचित्त हृदय की तरंगों में तरंगायित होकर प्रकृति के मनोरम परिवेश में विद्यार्थीगण स्वयं को कक्षाओं में तल्लीन कर चुके हैं।

दो कक्षाओं के अंतराल में विद्यार्थीगण सामूहिक स्थान पर इकट्ठे होते हैं और हंसी-ठिठोली करते हुए सुहाने मौसम का आनंद ले रहे हैं। विश्वविद्यालय परिसर की पगडंडिया रंग-बिरंगी छतरियों से सजी हुई एवं हवा के आगोश में हिलती-डूलती पत्तियों की सरसराहट के साथ हंसी-ठहाको से गुंजायमान है।बर्षा की बूंद से विश्वविद्यालय परिसर का प्राकृतिक और शैक्षणिक परिवेश स्वर्ग सरीखा हो गया है। वास्तव में यह परिवेश सभी के लिए खास बन गया है।

MONSOON MAGIC: UNIVERSITY CAMPUS SPRINGS TO LIFE AS NEW ACADEMIC SESSION BEGINS

As the monsoon season blankets the University campus in a refreshing embrace, the atmosphere becomes vibrant with the start of the new academic session on 01 July 2024. After a rejuvenating vacation, the campus springs back to life, welcoming students and faculty with open arms. The air is filled with the scent of rain-soaked earth, and lush greenery surrounds every corner, creating a picturesque setting for learning and growth.

Classes have resumed, and students are eager to dive back into their studies, their spirits are lifted by the serene and calming effect of the monsoon. The pitter-patter of raindrops on rooftops and the sight of clouds rolling across the sky provide a tranquil backdrop to the bustling academic activities. With relaxed minds and joyful hearts, students attend their classes, fully immersed in the beauty of the season.

In between the lectures, they gather in common areas, sharing laughter and stories while enjoying the cool, refreshing weather. The campus walkways are adorned with colorful umbrellas, and the sound of laughter mingles with the gentle rustling of leaves in the breeze. The monsoon has transformed the University campus into a haven of natural beauty and academic enthusiasm, making this season a truly special time for everyone.

तकनीकी सुविधाओं से सुसज्जित ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय का अत्याधुनिक शैक्षणिक भवन निर्माण के अंतिम चरण में: विकास की नयी संभावनाएं

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय का स्थायी शैक्षणिक भवन अपने निर्माण के अंतिम चरण में है। यह तीन मंजिला भवन दो ब्लॉक में विभाजित है जो कि 10,000 वर्ग मीटर के प्लिंथ क्षेत्र तक फैला हुआ है। विश्वविद्यालय की यह पहला स्थायी शैक्षणिक भवन सभी शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से बनाया गया है।

उद्घाटन के उपरांत ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विकास के लिए यह भवन मील का पत्थर साबित होगा। इसके पूरा होने से विश्वविद्यालय अपने शैक्षणिक योजनाओं का विस्तार कर सकेगा। इस तरह की सुविधाओं के मिलने से विश्वविद्यालय प्रशासन कोरापुट क्षेत्र की विशेष आवश्यकताओं और व्यापक राष्ट्रीय संदर्भों को ध्यान में रखते हुए नए कार्यक्रमों को शुरू करने की योजना बना रहा है। इस भवन का डिजाइन और निर्माण प्रक्रिया एक आधुनिक, सुसज्जित शिक्षण और शोध संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि छात्रों और शिक्षकों की सर्वोत्तम संसाधनों तक पहुँच प्राप्त हो।

इस भवन के पूरा होने से शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ विश्वविद्यालय और यहां के लोगों के विकास को प्रोत्साहन मिलेगा। भविष्य के प्रति विश्वविद्यालय के विकासोन्मुख दृष्टि का मुख्य लक्ष्य अकादमिक गतिविधियों को राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर इस तरह समायोजित किया जाय जो कि भारत में उच्च शिक्षा के समग्र विकास में सहायक हो।

CENTRAL UNIVERSITY OF ODISHA'S STATE-OF-THE-ART ACADEMIC BUILDING NEARS COMPLETION, PROMISING NEW PROGRAMS AND GROWTH

The Central University of Odisha's permanent academic building is nearing its completion. This state-of-the-art structure spans three floors and is divided into two blocks, covering a plinth area of 10,000 square meters. As the first permanent academic building on the university, it is designed to meet all the academic needs of the institution.

Once inaugurated, this building will mark a significant milestone for the Central University of Odisha, enabling the university to expand its academic offerings. With this new facility, the university plans to introduce new programs that address the specific needs of the Koraput region as well as the broader national context. The design and construction of this building reflect a commitment to providing a modern, well-equipped space for learning and research, ensuring that students and faculty have access to the best possible resources.

The completion of this building is expected to enhance the educational environment, fostering growth and development for both the university and the community it serves. The university's forward-thinking approach aims to align its academic programs with regional and national priorities, contributing to the overall advancement of higher education in India.

स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि मनाई गई

स्थान: सीयूओ कैंपस, सुनाबेड़ा, दिनांक: 04 जुलाई 2024

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 4 जुलाई, 2024 को स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की शाखा ने सुनाबेड़ा स्थित अपने परिसर में किया। इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी, कुलसचिव (प्रभारी) प्रो. एन.सी. पंडा और स्कूल ऑफ बायोडायवर्सिटी एंड कंजर्वेशन ऑफ नेचुरल रिसोर्सेज के डीन प्रो. एस.के.पलिता ने संकाय सदस्यों के साथ स्वामी विवेकानंद को पुष्पांजलि अर्पित की। स्वामीजी के अवदान को स्मरण करते हुए उनके सम्मान में विशिष्ट वक्ताओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये । सहायक प्राध्यापक और कुलपति के कार्य अधिकारी डॉ. प्रसेनजित सिन्हा ने स्वागत भाषण दिया।

इस कार्यक्रम में नई दिल्ली में आयोजित विशिष्ट अधिगम विकलांगता से निपटने के लिए 'केपासिटी बिल्डिंग प्रोग्राम' और गुवाहाटी में आयोजित कुलपति सम्मेलन राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के कार्यान्वयन पर आधारित दो कार्यक्रमों का उपलब्धि पत्र प्रस्तुत किया गया । प्रो. भरत कुमार पंडा ने इसका समन्वय किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी और सहायक प्राध्यापक डॉ अंजनेयुलु थोटापल्ली ने कार्यक्रम का संचालन किया।

OBSERVATION OF SWAMI VIVEKANANDA'S DEATH ANNIVERSARY

Venue: CUO Campus, Sunabeda, Date:04 July 2024

The Central University of Odisha, Koraput, marked the death anniversary of Swami Vivekananda, celebrated as a pivotal figure in spiritual leadership, organized by the NSS wings. The event took place on 4th July 2024 at the Sunabeda campus. Hon'ble Vice-Chancellor Prof. Chakradhar Tripathi, Registrar I/C Prof. N. C. Panda, and Dean of School of Biodiversity and Conservation of Natural Resources Prof. S. K. Palita along with faculty members paid homage to Swami Vivekananda with floral tributes and delivered speeches in his honor. Dr. Prasenjit Sinha, Assistant Professor and OSD to Vice-Chancellor, delivered the welcome address.

The program showcased two presentations: one on the Capacity Building Program for Specific Learning

Disabilities in New Delhi and another on the Vice-Chancellor's Conference regarding the implementation of NEP 2020 in Guwahati. Prof. Bharat Kumar Panda coordinated these sessions, while Dr. Anjaneyulu Thotapally, NSS Programme Officer and Assistant Professor in the Department of English, coordinated the overall event

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में एससी और ओबीसी छात्रों के लिए मुफ्त सिविल सेवा कोचिंग शुरू

स्थान: सीयूओ कैंपस, सुनाबेड़ा, ११ जुलाई २०२४

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूओ) के परिसर में ११ जुलाई २०२४ को शैक्षणिक वर्ष २०२४-२५ के लिए सिविल सेवा कोचिंग की पढ़ाई शुरू हुई । डॉ. अंबेडकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (डीएसीई), सीयूओ के तहत चलाए जाने वाला यह दूसरा बैच है, जिसमें ७८ छात्रों को मुफ्त सिविल सेवा कोचिंग की सुविधा देने के लिए नामांकित किया गया है। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने आशा व्यक्त की है कि आगामी वर्ष होने वाली सिविल सेवा परीक्षा में यह केंद्र उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करेगा।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (MoSJE), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित और डॉ अम्बेडकर फाउंडेशन (DAF), नई दिल्ली द्वारा कार्यान्वित डॉ अम्बेडकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से यह विश्वविद्यालय एससी और ओबीसी छात्रों के लिए एक वर्ष तक सिविल सेवा कोचिंग की सुविधा प्रदान कर रहा है। यह योजना अनुभवी एवं समर्पित समन्वयक के नेतृत्व में चलायी जा रही है जिसमें तीन शिक्षक शामिल हैं।

FREE CIVIL SERVICES COACHING FOR SC AND OBC STUDENTS COMMENCES AT CENTRAL UNIVERSITY OF ODISHA

Venue: CUO Campus, Sunabeda, 11 July 2024

The Central University of Odisha (CUO) commenced the Civil Services Coaching program for the academic year 2024-25 on its campus on 11 July 2024. This is the second batch under the Dr. Ambedkar Centre of Excellence (DACE), CUO, with seventy-eight (78) students enrolled to receive rigorous, free civil service coaching. The Hon'ble Vice-Chancellor of the University Prof. Chakradhar Tripathi expresses hope that the center will achieve outstanding results in civil services examination in the upcoming year.

The university offers a one-year UPSC Civil Services Coaching program for SC and OBC students through the Dr. Ambedkar Centre of Excellence, sponsored by the Ministry of Social Justice and Empowerment (MoSJE), Government of India, and implemented by the Dr. Ambedkar Foundation (DAF), New Delhi. The program is supported by a dedicated team comprising one Programme Coordinator and three teachers.

खेती की देशी पद्धति को समझने के लिए सीयूओ के विद्यार्थियों का केंद्रीय मवेशी प्रजनन फार्म, सुनाबेड़ा का भ्रमण

स्थान: CCBF, सुनाबेड़ा, दिनांक: 12 जुलाई 2024

12 जुलाई, 2024 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पशुपालन डेयरी और कृषि विभाग के छात्रों और संकाय सदस्यों के एक समूह ने केंद्रीय मवेशी प्रजनन फार्म, सुनाबेड़ा में शैक्षणिक परिभ्रमण किया। डॉ. पद्म चरण मिश्र, व्यवसाय प्रबंधन विभाग (डी. वा. एम) के सह प्राध्यापक और विभागाध्यक्ष तथा पशुपालन और डेयरी विभाग (डी. ए. एच. डी.) के समन्वयक द्वारा निर्देशित इस यात्रा का उद्देश्य कृषि विज्ञान में व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देना था।

सीसीबीएफ, सुनाबेड़ा के सहायक आयुक्त डॉ. प्रवीर कुमार दामले ने कृषि कार्यों और प्रबंधन विषय पर मूल्यवान वक्तव्य देते हुए विद्यार्थियों को प्रबंधन संबंधी व्यावहारिक ज्ञान दिया। विषय पर केंद्रित तक की दो घंटे यह बातचीत उत्साह और ज्ञान के गहरे आदान-प्रदान से परिपूर्ण थी।

इस दल में मुख्य रूप से डॉ. गुरजीत सिंह वालिया, सह प्राध्यापक और विभागाध्यक्ष, सांख्यिकी विभाग तथा कृषि विभाग (डीएजी) के समन्वयक श्री पी. गंगाधर डोरा, डीएएचडी में अतिथि संकाय, डॉ. देबदत्त पंडा, डीएजी में अतिथि संकाय, और डॉ. सुभाष चंद्र पटनायक, डीबीएम के समन्वयक मौजूद थे। इनकी उपस्थिति ने कृषि शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए अंतर्विषयक सहयोग और प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। ज्ञान से परिपूर्ण इस यात्रा से छात्रों को व्यावहारिक अनुभव और मवेशी प्रजनन विधियों की गहरी समझ मिली जो कि व्यावहारिक दृष्टि से उनकी अकादमिक अध्ययन को मजबूती प्रदान करेगी।

EXPLORING AGRICULTURAL PRACTICES: A FIELD VISIT TO CENTRAL CATTLE BREEDING FARM, SUNABEDA

Venue: CCBF, Sunabeda, Date: 12 July 2024

On 12 July 2024, a group of students and faculty members from the Animal Husbandry & Dairying and Agriculture Departments of the Central University of Odisha embarked on a fruitful field trip to the Central Cattle Breeding Farm, Sunabeda. Guided by Dr. Padma Charan Mishra, Associate Professor & Head of the Department of Business Management (DBM) and Coordinator of the Department of Animal Husbandry & Dairying (DAHD), the visit aimed to enhance practical knowledge in agricultural sciences.

Dr. Praveer Kumar Damle, Assistant Commissioner at CCBF, Sunabeda, provided insightful mentoring throughout the visit, offering valuable explanations on farm operations and management. The two-hour interaction was marked by enthusiasm and a deep exchange of knowledge.

Accompanying the team were Dr. Gurjeet Singh Walia, Associate Professor and HoD, Dept. of Statistics and Coordinator of the Agriculture Department (DAG), Mr. P. Gangadhar Dora, Guest Faculty at DAHD, Dr. Debadutta Panda, Guest Faculty at DAG, and Dr. Subash Chandra Pattnaik, Coordinator of DBM. Their presence underscored the interdisciplinary collaboration and commitment to advancing agricultural education. This engaging field trip provided students with hands-on experience and a deeper understanding of cattle breeding practices, reinforcing their academic learning with practical insights.

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पारम्परिक क्रीड़ा-उत्सव के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विकास की झाँकी

पारम्परिक क्रीड़ा-उत्सव के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की सांस्कृतिक विरासत की झाँकी प्रस्तुत करने के लिए ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय तैयार है। भारत की समृद्ध क्रीड़ा-उत्सव परम्परा को बढ़ावा देने के लिये विश्वविद्यालय दो प्रमुख कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है- दिसंबर 2024 में राष्ट्रीय पारम्परिक खेल उत्सव और फरवरी-मार्च 2025 में अंतरराष्ट्रीय पारम्परिक क्रीड़ा-उत्सव इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य अलग-अलग संस्कृतियों में लोकप्रिय पारम्परिक खेलों को संरक्षित करना, उत्सव मनाना और प्रतिभागियों के मध्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर एकता और विविधता को बढ़ावा देना है। विश्वविद्यालय द्वारा शुरू की गई यह अनोखी पहल वास्तव में भारत की सांस्कृतिक परम्पराओं को जीवंत रखने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

इस प्रतिष्ठित एवं प्रतीक्षित आयोजन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए 2-3 जुलाई को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में बैठकें की गई। माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी की अध्यक्षता में हुई इन बैठकों में एक एस.जी.एस.यू गुजरात के भूतपूर्व कुलपति प्रो. जतिन कुमार एच.सोनी, क्रीड़ा-भारती के श्री मधुमय नाथ, स्पोर्टसीड के संस्थापक और निर्देशक श्री सुधांशु फड़नीश, कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स एजुकेशन के पूर्व प्रचारक डॉ. अशोक कुमार नायक, शारीरिक शिक्षा संकाय डॉ. सरोज पंडा, खेल सहायक श्री संजय गंतायत, डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर (प्रभारी) डॉ. रामेंद्र पाढ़ी सहित विश्वविद्यालय के सभी विभाग प्रमुख एवं अधिकारीगण उपस्थित थे। इस सामूहिक जुटान का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर एक-दूसरे का सहयोग करते हुए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित सांस्कृतिक संगम को यादगार बनाना था।

CELEBRATING CULTURAL HERITAGE: CUO TO HOST NATIONAL AND INTERNATIONAL TRADITIONAL SPORTS FESTS

The Central University of Odisha is set to showcase India's rich cultural heritage through traditional sports and games on national and international platforms. In a bid to promote these time-honored activities, the university is organizing two major events: the National Traditional Sports Fest scheduled for December 2024 and the International Traditional Sports Fest slated for February/March 2025. These events aim to celebrate and preserve traditional games from diverse cultures, fostering cultural exchange, unity, and diversity among participants. The initiative underscores the university's commitment to showcasing the vibrant tapestry of India's cultural traditions.

To ensure the success of these prestigious events, preparatory meetings were held on 2nd and 3rd July 2024, at the Central University of Odisha, Sunabeda Campus. Chaired by the Hon'ble Vice-Chancellor, Prof. Chakradhar Tripathi, the meetings were attended by distinguished personalities including Prof. Jatin Kumar H. Soni, former Vice-Chancellor of SGSU, Gujarat; Mr. Madhumay Nath from Kreeda Bharati; Mr. Sudhanshu Fadnis, Founder & Director of Sportseed; Dr. Ashok Kumar Nayak, Former Principal of College of Sports Education; Dr. Saroj Panda, Faculty of Physical Education; Sh. Sanjaya Gantayat, Sports Consultant; Dr. Ramendra Kumar Parhi, Dean of Students Welfare (in-charge); Heads of various academic departments of CUO, and other university officials. These gatherings laid the groundwork for a collaborative effort to host a memorable and culturally enriching series of events that will resonate both nationally and internationally.

स्वभाव कवि गंगाधर मेहेर की शताब्दी पुण्यतिथि के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

स्थान: सीयूओ कैंपस, सुनाबेड़ा, दिनांक: 18-20 जुलाई 2024

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट और गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय, संबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में ओड़िशा के प्रतिष्ठित साहित्यकार स्वभावकवि गंगाधर मेहेर की शताब्दी पुण्यतिथि मनाई गयई। त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (18-20 जुलाई) का उद्घाटन 18 जुलाई 2024 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के परिसर में हुआ। इस कार्यक्रम का प्रारंभ प्रो. चक्रधर त्रिपाठी कुलपति, सीयूओ, प्रो. एन.नागाराजु, कुलपति, गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय, पद्मश्री प्रो. दमयंती बेसरा के साथ-साथ गणमान्य लोगों ने दीप प्रजवल्लन कर किया।

डॉ. रूद्राणी मोहांति सह-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, ओड़िआ साहित्य एवं भाषा विभाग ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। ओड़िआ विभाग के नेतृत्व में इस संगोष्ठी का आयोजन हुआ।संगोष्ठी में आमंत्रित प्रतिष्ठित विद्वानों द्वारा 'गंगाधर मेहेर : आलोचना संग्रह' पुस्तक का विमोचन किया गया। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. आलोक बराल, सहायक प्राध्यापक ओड़िआ साहित्य और भाषा विभाग द्वारा किया गया। गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय के ओड़िआ विभाग प्रमुख डॉ लक्ष्मीप्रिया बेहेरा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस त्रिदिवसीय संगोष्ठी का अंतिम सत्र गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय में 20 जुलाई 2024 को संपन्न हुआ। संयुक्त रूप से यह संगोष्ठी ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय और गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, शोधार्थियों, छात्र-छात्राओं के लिए आकर्षण का केंद्र के साथ-साथ गंगाधर मेहेर की साहित्य संबंधी अवधारणाओं को एक-दूसरे से साझा एवं सहयोग करने का माध्यम बना।

NATIONAL SEMINAR ON THE OCCASION OF DEATH CENTENARY OF SVABHABKAVI GANGADHAR MEHER

Venue: CUO Campus, Sunabeda, Date: 18-20 July 2024

The Central University of Odisha and Gangadhar Meher University, Sambalpur, joined hands to commemorate the death centenary of Svabhabkavi Gangadhar Meher, Odisha's revered literary figure of Odisha. A three-day national seminar (18-20 July 2024) marked this occasion, inaugurated on 18 July 2024 at the Central University of Odisha, Koraput. The ceremony commenced with the lighting of the lamp by esteemed dignitaries including Prof. Chakradhar Tripathi, Hon'ble Vice-Chancellors of CUO, Prof. N Nagaraju, Hon'ble Vice-Chancellor of GM University and Padma Shri Prof. Damayanti Besra, along with other notable personalities.

Dr. Rudrani Mohanty, Associate Professor & HoD of the Department of Odia Language & Literature (DOLL) at CUO, welcomed participants, initiating the seminar coordinated by her department. Highlights included the release of 'Gangadhar Meher: Alochana Sangraha' and engaging sessions led by eminent scholars. The inaugural session was conducted by Dr Alok Baral, Assistant Professor, DOLL. The vote of thanks was proposed by Dr. Laxmipriya Behera, HoD, Odia Dept, G M University. The concluding session of the seminar was held on 20 July 2024 at G M University, Sambalpur. The event, spanning both campuses, attracted faculty, research scholars, and students, fostering scholarly discourse on Gangadhar Meher's enduring legacy in literature.

अंग्रेजी भाषा और साहित्य विभाग में विशिष्ट व्याख्यान शृंखला

स्थान: सीयूओ कैंपस, सुनाबेड़ा, 11 जुलाई 2024

विशिष्ट व्याख्यान शृंखला के तहत अंग्रेजी भाषा और साहित्य विभाग ने द इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेज यूनिवर्सिटी हैदराबाद से डॉ. एलिगेडी राजकुमार को साहित्यिक अध्ययन में अनुसंधान का परिचय विषय पर ऑनलाइन वक्तव्य देने के लिए आमंत्रित किया था। 16 जुलाई 2024 को संपन्न होने वाली यह व्याख्यान शृंखला सभी के लिए उपलब्ध थां। विश्वविद्यालय के अतिरिक्त लगभग सौ प्रतिभागी इस ऑनलाइन व्याख्यान सत्र का हिस्सा बने।

DEPARTMENT OF ENGLISH LANGUAGE & LITERATURE: DISTINGUISHED LECTURE SERIES

Venue: CUO Campus, Sunabeda, 11 July 2024

Department of English Language & Literature (DELL) in its Distinguished Lecture Series (DLS) invited Dr. Eligedi Rajkumar from the Department of English Literature, School of Literary Studies, The English & Foreign Languages University, Hyderabad to deliver a virtual talk on the topic "Introduction to Research in Literary Studies" on 16th July 2024, The Session was open to everyone across the country near around 100 participants joined the session online from outside the University.

संस्कृत विभाग में गुरु पूर्णिमा का उत्सव

स्थान: सीयूओ कैंपस, सुनाबेड़ा, दिनांक: 22 जुलाई 2024

22 जुलाई 2024 को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में महर्षि वेदव्यास के सम्मान में गुरु पूर्णिमा मनाई गई। गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। इस समारोह की शुरुआत विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव और संस्कृत विभाग प्रमुख एन.सी.पंडा ने दीप प्रज्जवलन कर किया। इस कार्यक्रम में अंग्रेजी और हिंदी विभाग के संकाय सदस्यों के साथ अन्य अतिथि भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने जीवन में गुरु के महत्व पर प्रकाश डालते हुए संस्कृत भाषा में अपने-अपने विचार प्रकट किये। इसके उपरांत बारी-बारी से प्राध्यापकों ने अपने-अपने जीवनानुभवों को साझा किया।

CELEBRATION OF GURU PURNIMA

Venue: CUO campus, Sunabeda, Date: 22 July 2024

The Department of Sanskrit at the Central University of Odisha celebrated Guru Purnima, also known as Vyas Purnima, in honor of Maharishi Ved Vyasa on 22 July 2024. The celebration began with the ceremonial lighting of a lamp by the University's Registrar In-Charge and Head of the Sanskrit Department, Prof. N. C. Panda, who also paid tribute to Maharishi Ved Vyasa. The event was attended by faculty members from the English and Hindi departments, along with other guests. During the program, students delivered speeches in Sanskrit highlighting the significance of the Guru in their lives, followed by a discussion where teachers shared their insights and perspectives.

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय के छात्रों के लिए विश्वविद्यालय परिसर में आदर्श पाठ का प्रर्दशन

स्थान: सीयूओ कैंपस, सुनाबेड़ा, दिनांक: 18 जुलाई 2024

18 जुलाई 2024 को शिक्षा विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पी.एम श्री केंद्रीय विद्यालय, एनएडी के नवम कक्षा के छात्रों के लिए मॉडल पाठ से संबंधित एक प्रदर्शन कक्षा का आयोजन किया गया था। विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञ प्राध्यापकों के नेतृत्व में यह कार्यक्रम संचालित हुआ। जीवन विज्ञान में डॉ. अशोक कुमार एरिगला, अंग्रेजी भाषा और साहित्य विषय में श्री गगन बिहारी सुआर, गणित विषय में डॉ. ओमप्रकाश और भौतिक विज्ञान विषय में अभिजीत पंडित ने विद्यार्थियों से अपना अनुभव साझा किया। यह पहल विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों के लिए भी अध्ययन कक्ष से अलग एक नये अनुभव से गुजरने के समान है। विभागाध्यक्ष प्रो. भरत कुमार पंडा के नेतृत्व में सफलतापूवर्क संपन्न होने वाला यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के साथ-साथ इसका हिस्सा रहे प्राध्यापकों के लिए भी अनुभव साझा करने का अनूठा अवसर बना। इस तरह के कार्यक्रम से शिक्षक-छात्र और ज्ञान की सेतु मजबूत होती है और आपसी संबंध प्रगाढ़ होते हैं।

MODEL LESSON DEMONSTRATION FOR PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA STUDENTS

Venue: CUO campus, Sunabeda, Date: 18 July 2024

On 18 July 2024, the Department of Education at Central University of Odisha hosted an immersive demonstration of model lessons for Class 9 students from PM Shri Kendriya Vidyalaya, NAD, Koraput. The event featured lessons in various subjects, demonstrated by the university's faculty experts: Dr. Ashok Kumar Erigala in Life Science, Mr. Gagana Bihari Suar in English Language and Literature, Dr. Om Parkash in Mathematics, and Mr. Avijit Pandit in Physical Sciences. This initiative provided trainee teachers and visiting students with valuable experiences beyond the classroom setting. Under the leadership of Prof. Bharat Kumar Panda, Head of the Department, the visit was a resounding success, offering a unique opportunity for teacher trainees to engage with students and share their expertise as part of the School Internship program. The experience highlighted the benefits of collaborative learning, strengthening connections between students, teachers, and knowledge.

पर्यावरण बोध के लिए प्रेरक एनएसएस शिविर

स्थान: सीयूओ कैंपस, सुनाबेड़ा, दिनांक: 24 जुलाई 2024

24 जुलाई 2024 को, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट ने अपने समुदाय में सहानुभूति और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित करने हेतु एक उल्लेखनीय एनएसएस शिविर का आयोजन किया। मैं नहीं, बल्कि आप (Not Me But You) थीम के तहत यह आयोजन छोटे लेकिन प्रभावशाली कार्यों के माध्यम से प्रदूषण मुक्त समाज को बढ़ावा देने पर केंद्रित था। शिविर में माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी, प्रभारी कुलसचिव और भाषा संकायाध्यक्ष प्रो. एन.सी. पंडा, चीफ वार्डन डॉ. कपिल खेमुंडू, छात्र कल्याण अध्यक्ष डॉ. रमेंद्र कुमार पाढ़ी, एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. टी. आंजनेयुलु, साथ ही संकाय सदस्यों और छात्र स्वयंसेवकों ने भी भाग लिया। साथ में, उन्होंने शैक्षणिक ब्लॉक परिसर में सफाई अभियान चलाया। कार्यक्रम के दौरान, कुलपति ने पर्यावरण के महत्व पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा करते हुए कहा, यह पहल एक स्वच्छ और हरित परिसर को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

INSPIRING NSS CAMP FOR ENVIRONMENTAL RESPONSIBILITY

Venue: CUO campus, Sunabeda, Date: 24 July 2024

On 24 July 2024, the Central University of Odisha, Koraput, organized a noteworthy NSS camp to cultivate empathy and social responsibility among its community. Under the theme "Not Me, But You," the event focused on promoting a pollution-free society through small yet impactful actions. The camp featured participation from the Hon'ble Vice-Chancellor Prof. Chakradhar Tripathi, Registrar In-Charge and Dean of the School of Languages Prof. N.C. Panda, Chief Warden Dr. Kapil Khemundu, Dean of Students' Welfare Dr. Ramendar Kumar Parhi, NSS Programme Coordinator Dr. T. Anjaneyulu, as well as faculty members and student volunteers. Together, they engaged in a clean-up drive at the academic block premises. During the event, the Vice-Chancellor shared valuable insights on environmental respect, stating, "This initiative reflects our commitment to fostering a cleaner and greener campus".

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने मनाया 'वन महोत्सव' : पर्यावरण जागरूकता के लिए लगाए गए 200 पौधे

स्थान: सीयूओ कैंपस, सुनाबेड़ा, दिनांक: 25 जुलाई 2024

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 25 जुलाई 2024 को राष्ट्रदीप प्रसार समिति के सहयोग से अपने सुनाबेड़ा परिसर में 'वन महोत्सव' मनाया। इस आयोजन का उद्देश्य वन संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। वृक्षारोपण अभियान का उद्घाटन माननीय कुलपति, प्रो चक्रधर त्रिपाठी ने किया, जिसमें राष्ट्रदीप प्रसार समिति के राज्य सचिव डॉ जलेंद्र त्रिपाठी, प्रो एनसी पंडा, रजिस्ट्रार (प्रभारी), प्रो एसके पालिता, एसबीसीएनआर के डीन, और विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारियों की उपस्थिति थी। प्रो त्रिपाठी ने अपने संबोधन में पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने और ऑक्सीजन प्रदान करने में पेड़ों और जंगलों की आवश्यक भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। आयोजन के दौरान लगभग 200 पौधे लगाए गए, जो पर्यावरण प्रबंधन के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं। कार्यक्रम का संयोजन विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू (प्रभारी) डॉ. आरके पाढ़ी ने किया।

CENTRAL UNIVERSITY OF ODISHA CELEBRATES 'VANA MAHOTSAV': 200 SAPLINGS PLANTED FOR ENVIRONMENTAL AWARENESS

Venue: CUO Campus, Sunabeda, Date: 25 July 2024

The Central University of Odisha celebrated 'Vana Mahotsav' at its Sunabeda campus on 25 July 2024 in collaboration with Rashtradeep Prasar Samiti. This event aimed to raise awareness about forest conservation and environmental protection. The plantation drive was inaugurated by the Hon'ble Vice-Chancellor, Prof. Chakradhar Tripathi, with the presence of Dr. Jalendra Tripathy, State Secretary of Rashtradeep Prasar Samiti, Prof. N.C. Panda, Registrar I/c, Prof. S.K. Palia, Dean of SBCNR, and other university officials.

In his remarks, Vice-Chancellor Prof. Tripathi stressed the essential role of trees and forests in maintaining ecological balance and providing oxygen. He conveyed his best wishes for the program's success. Approximately 200 saplings were planted during the event, underscoring the university's commitment to environmental stewardship. The program was coordinated by Dr. R.K. Parhi, DSW 1/c of the University.

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और शिक्षा शास्त्र के मध्य सैद्धांतिक संबंध: एक विश्लेषण'

स्थान: सीयूओ कैंपस, सुनाबेड़ा, दिनांक: 25 जुलाई 2024

25 जुलाई 2024 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में शिक्षा विभाग द्वारा 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और शिक्षा शास्त्र के मध्य सैद्धांतिक संबंध : एक विश्लेषण' विषय पर केंद्रित एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय शिक्षा-संस्थान भुवनेश्वर के पूर्व प्राचार्य प्रो. सुभाष चंद्र पंडा ने अतिथि वक्ता के तौर पर विशेष व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने किया। मंच पर प्रभारी कुलसचिव और भाषा संकायाध्यक्ष प्रो. एन.सी. पंडा और शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रो. भरत कुमार पंडा सहित प्राध्यापकगण और छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे। इस आयोजन से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-२०२० और शिक्षण-शास्त्रीय सिद्धांतो के मध्य समन्वय की दृष्टि स्पष्ट हुई।

A SPECIAL LECTURE ON "CONNECTIVITY BETWEEN PEDAGOGY AND PRINCIPLES OF NEP2020: AN ANALYSIS

Venue: CUO campus, Sunabeda, Date: 25 July 2024

On 25 July 2024, the Department of Education at the Central University of Odisha hosted a special lecture titled "Connectivity between Pedagogy and Principles of NEP 2020: An Analysis." The esteemed Prof. Subash Chandra Panda, former Principal of the Regional Institute of Education, Bhubaneswar delivered the special lecture as the guest speaker for the event.

The program was inaugurated by Hon'ble Vice-Chancellor, Prof. Chakradhar Tripathi, also present on the dais were Prof. N. C. Panda, Registrar I/c and Dean of the School of Languages, and Prof. Bharat Kumar Panda, Head of the Department of Education. The event provided valuable insights into the integration of pedagogy with the principles of the National Education Policy 2020.

कारगिल विजय दिवस उल्लासपूर्वक मनाया गया

स्थान: सीयूओ कैंपस, सुनाबेड़ा, दिनांक: 26 जुलाई 2024

शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार की विशेष पहल पर 26 जुलाई 2024 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के बैनर तले उल्लासपूर्वक कारगिल विजय दिवस मनाया गया। माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी के नेतृत्व में कारगिल युद्ध के शहीदों के प्रति विनम्र श्रद्धांजलि ज्ञापित की गयी। इस अवसर पर प्रभारी कुलसचिव प्रो. एन. सी. पंडा, जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण संकायाध्यक्ष प्रो. एस. के पालिता, व्यवसाय प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पी.सी. मिश्र और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के नोडल अधिकारी डॉ. सौरव गुप्ता मौजूद थे।

OBSERVATION OF KARGIL VIJAY DIVAS

Venue: CUO campus, Sunabeda, Date: 26 July 2024

The Central University of Odisha commemorated Kargil Vijay Diwas at its Sunabeda campus on 26 July 2024, under the auspices of the "Ek Bharat Shreshtha Bharat" program, a flagship initiative of the Ministry of Education, Government of India. The event paid homage to the martyrs of the Kargil War, with Prof. Chakradhar Tripathi, Vice Chancellor of CUO, leading the tributes. He was joined by Prof. N.C. Panda, Registrar In-Charge; Prof. S.K. Palita, Dean of the School of Biodiversity and Conservation of Natural Resources; Prof. Bharat Kumar Panda, Head of the Department of Education and Dr. P.C. Mishra, Head of the Department of Business Management. The program was coordinated by Dr. Sourav Gupta, Nodal Officer of the "Ek Bharat Shreshtha Bharat" initiative.

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने पद्मश्री कमला पुजारी को भावभीनी श्रद्धांजलि दी

स्थान: सीयूओ कैंपस, सुनाबेड़ा, दिनांक: 25 जुलाई 2024

25 जुलाई 2024 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में पद्मश्री कमला पुजारी को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी। माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने उनकी स्मृति में पुष्पांजलि अर्पित की और दो मिनट का मौन रखा। 20 जुलाई 2024 को कोरापुट जिले की ख्याति प्राप्त आदिवासी महिला कमला पुजारी का इलाज के दौरान निधन हो गया था। पारम्परिक कृषि पद्धतियों के संरक्षण के प्रति समर्पण एवं कृषि के विकास में अग्रणी योगदान के लिए उन्हें जाना जाता है। अपने व्यक्तिगत प्रयासों से उन्होंने पारम्परिक कृषि की समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाया है। 8 अगस्त 2019 को पद्मश्री पुजारी को महिला दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से सम्मानित किया गया था। इस दौरान उन्होंने पारम्परिक कृषि पद्धति का महत्व एवं उसके बारे में विस्तार से चर्चा की थी। कृषि के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के लिए विश्वविद्यालय ने उन्हें सम्मानित किया था।

CENTRAL UNIVERSITY OF ODISHA PAYS TRIBUTE TO PADMA SHRI KAMALA PUJARI

Venue: CUO campus, Sunabeda, Date: 25 July 2024

On 25 July 2024, the Central University of Odisha paid tribute to Padma Shri Kamala Pujari on its campus. The Hon'ble Vice-Chancellor, Prof. Chakradhar Tripathi, offered flowers in her memory, and a two-minute silence was observed. Kamala Pujari, a revered tribal woman of Koraput district who passed away on 20 July 2024 while undergoing treatment, was famous for her pioneering contributions to agriculture and her dedication to preserving traditional farming practices. Her work has left a lasting legacy in the field of agriculture.

Padma Shri Pujari had previously visited the Central University of Odisha on 8 August 2019, on "International Women's Day". During her visit, she spoke about the importance of traditional farming practices, and the University honored her for her invaluable contributions to the field.

बड़े पैमाने पर खुले ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओओसी)

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में २०२१ में मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (एमओओसी) लागू किया गया था। जनवरी से मई 2024 के शैक्षणिक सत्र में 6 विभागों के कुल 237 छात्रों ने विभिन्न एमओओसी पाठ्यक्रमों के लिए नामांकन किया है, जिनमें से 19 छात्रों ने एनटीए द्वारा आयोजित परीक्षा उत्तीर्ण की है।

MASSIVE OPEN ONLINE COURSES (MOOCs)

Massive Open Online Courses (MOOCs) was implemented in Central University of Odisha in 2021. In the academic session of January to May 2024, a total 237 students from 6 departments have enrolled for various MOOCs courses among them 19 students have qualified the examination conducted by NTA.

संस्कृत विभाग में 'संस्कृत व्याकरण' विषय पर केंद्रित विशेष व्याख्यान का आयोजन

स्थान: सीयूओ कैंपस, सुनाबेड़ा, दिनांक: 29 जुलाई 2024

२९ जुलाई २०२४ को संस्कृत विभाग द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में संस्कृत व्याकरण विषय पर केंद्रित विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के तौर पर प्रो. अनुपमा पुरस्ती, विभागाध्यक्ष, नव्या व्याकरण विभाग, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय पुरी और प्रो. युधिष्ठिर साहू, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, रेवेंशा विश्वविद्यालय, कटक सहित गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए माननीय कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने शुभकामनाएँ दी। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रभारी कुलसचिव एवं भाषा संकायाध्यक्ष प्रो. एन.सी. पंडा ने किया। इस अवसर पर इन्होंने अपना महत्वपूर्ण वक्तव्य भी रखा।

DEPARTMENT OF SANSKRIT HOSTS SPECIAL LECTURE ON SANSKRIT GRAMMAR

Venue: CUO campus, Sunabeda, Date: 29 July 2024

On 29 July 2024, the Department of Sanskrit at Central University of Odisha hosted a special lecture on Sanskrit Grammar at its Sunabeda campus. The event featured distinguished speakers, including Prof. Anupama Prusty, Head of Department of Navya Vyakarana at Central Sanskrit University, Puri Campus, and Prof. Yudhistira Sahoo, Head of the Department of Sanskrit at Ravenshaw University, Cuttack. Hon'ble Vice-Chancellor, Prof. Chakradhar Tripathi extended his best wishes for a successful programme. The event was inaugurated by Prof. N.C. Panda, Registrar (I/C) and Dean of the School of Languages, who also addressed the gathering.

सीयूओ के संकाय और स्टाफ सदस्यों को विश्व वैज्ञानिक रैंकिंग-2024 के लिए विज्ञापन वैज्ञानिक सूचकांक में स्थान दिया गया है

सीयूओ के आठ संकायों और स्टाफ सदस्यों को पिछले ५ वर्षों से लगातार गूगल स्कॉलर के एच-इंडेक्स और आई-१० इंडेक्स के आधार पर विश्व वैज्ञानिक रैंकिंग-2024 के लिए एडी साइंटिफिक इंडेक्स में रैंक दिया गया है। इनमें डॉ. काकोली बनर्जी, सहायक प्रोफेसर, डीबीसीएनआर पहले स्थान पर रहीं, इसके बाद डॉ. देवव्रत पांडा, सहायक प्रोफेसर, डीबीसीएनआर; एस. के. पालिता, प्रोफेसर और प्रमुख, डीबीसीएनआर; डॉ. जयंत कुमार नायक, सहायक प्रोफेसर, मानव विज्ञान विभाग; डॉ. ज्योतिस्का दत्ता, गणित विभाग; डॉ. बिजयानंद प्रधान, सहायक पुस्तकालय, केंद्रीय पुस्तकालय; डॉ. मिनती साहू, सहायक प्रोफेसर और प्रमुख प्रभारी, अर्थशास्त्र विभाग; डॉ. सौरव गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, डीजे और एमसी।

FACULTY AND STAFF MEMBERS OF CUO ARE RANKED IN AD SCIENTIFIC INDEX FOR WORLD SCIENTIST RANKING-2024

Eight faculties and staff members of CUO are Ranked in AD Scientific Index for World Scientist Ranking-2024 based on h-index and i-10 index of Google Scholar for last 5 consecutive years. Among them Dr. Kakoli Banerjee, Asst. Professor, DBCNR ranked first followed by Dr. Debabrata Panda, Asst. Professor, DBCNR; Prof. S. K. Palita, Professor and Head, DBCNR; Dr. Jayanta Kumar Nayak, Asst. Professor, Department of Anthropology; Dr. Jyotiska Datta, Department of Mathematics; Dr. Bijayananda Pradhan, Asst. Libraryan, Central Library; Dr. Minati Sahoo, Asst. Professor and Head I/C, Department of Economics; Dr. Sourav Gupta, Asst. Professor, DJ&MC.

संकाय उपलब्धि • FACULTY ACHIEVEMENT

AD Scientific Index — Rankings for Scientist — More Than a Ranking

World Scientists Rankings 2024

University / Institution	Country	Region	World	Name	Country	University / Institution	Subject	H INDEX Total	H INDEX Last 6 year	H INDEX Last 6 year/total	I10 INDEX Total	I10 INDEX Last 6 year	I10 INDEX Last 6 year/total	CITATION Total	CITATION Last 6 year	CITATION Last 6 year/total
1	5,674	44,674	253,259	Kakoli Banerjee	India	Central University of Orissa	Agriculture & Forestry / Fisheries Marine biodiversity | aquaculture | climate change | Carbon sequestration | Coastal zone management |	29	21	0.724	55	45	0.818	3,506	1,972	0.562
2	7,934	59,050	320,375	Debabrata Panda	India	Central University of Orissa	Agriculture & Forestry / Plant Science Plant Physiology | Stress Physiology | Enzymology |	25	21	0.840	59	54	0.915	2,527	1,806	0.715
3	31,648	183,611	844,494	Sharat Kumar Palita	India	Central University of Orissa	Natural Sciences / Biological Science Conservation Biology | Diversity mangrove fauna | Fauna of hot springs | Faunal diversity of Forest Ecosystem |	11	9	0.818	13	8	0.615	374	287	0.767
5	53,347	287,722	1,194,180	Jayanta Kumar Nayak	India	Central University of Orissa	Social Sciences / Anthropology Biological Anthropology | Medical Anthropology | Molecular Anthropology | Bio-social study | Developmental Anthropology |	6	6	1.000	3	3	1.000	383	348	0.909
6	59,202	313,817	1,277,094	Jyotiska Datta	India	Central University of Orissa	Natural Sciences / Mathematical Sciences Mathematical Biology | Population Dynamics | Mathematical Ecology |	5	5	1.000	4	4	1.000	105	85	0.810
7	62,466	330,942	1,319,266	Bijayananda Pradhan	India	Central University of Orissa	Social Sciences / Library and Information Science Digital Library | OER | Open Access | Bibliometrics | Scientometrics |	5	5	1.000	1	0	0.000	79	59	0.747
8	70,831	366,258	1,426,683	Minati Sahoo	India	Central University of Orissa	Economics & Econometrics / Economics Economics of Natural resources | Agricultural Economics | Rural Economics | Industrial Economics | Tribal Economics and Gender Econo |	4	4	1.000	2	0	0.000	58	50	0.862
10	79,307	400,708	1,524,130	Sourav Gupta	India	Central University of Orissa	Business & Management / Communications and Media Studies Communication | CFD | Media Aesthetics | Cultural Anthropology | Media Sociology |	3	3	1.000	3	0	0.000	51	16	0.314

संस्कृत भाषा के विकास में अतुलनीय योगदान के लिए प्रो. एन.सी.पंडा को संस्कृत महामहोपाध्याय की उपाधि से अलंकृत किया गया

सम्मानित संस्कृत विद्वान प्रो.एन.सी.पंडा को हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग द्वारा हिंदी साहित्य सम्मेलन के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. पर्वत शास्त्री की 106 वीं जयंती पर संस्कृत में सर्वोच्च सम्मान संस्कृत महामहोपाध्याय से सम्मानित किया गया। प्रो. पंडा को मुख्य अतिथि प्रो. वेदप्रकाश उपाध्याय द्वारा संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने और संरक्षित करने में उनके असाधारण योगदान के लिए एक मानपत्र और उत्तरीय प्रदान किया गया। वर्तमान में ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट में भाषा संकायाध्यक्ष और कार्यवाहक कुलसचिव के पद पर सेवारत, प्रो. पंडा को दो अन्य प्रतिष्ठित आर्चायों के साथ सम्मानित किया गया।

PROF. N. C. PANDA HONORED WITH SANSKRITA MAHAMAHOPADHYAYA AWARD FOR SANSKRIT CONTRIBUTIONS

Esteemed Sanskrit scholar Prof. N. C. Panda was honored with the Sanskrit Mahamahopadhyaya, the highest accolade in Sanskrit, by the Hindi Sahitya Sammelan, Prayag, on the 106th birth anniversary of Dr. Pravat Sashtri, former Prime Minister of the Hindi Sahitya Sammelan. Prof. Panda received a Manapatra and Utariya for his exceptional efforts in promoting and preserving the Sanskrit languages from Chief Guest Prof. Vedprakash Upadhyaya. Currently he is serving as the Dean of the School of Language and Registrar in-Charge at Central University of Odisha. Besides, Prof. Panda and two other distinguished scholars were also honoured on this occasion.

छात्रों की उपलब्धि
STUDENT ACHIEVEMENT

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय सांख्यिकी विभाग २०२०-२२ सत्र के भूतपूर्व छात्र ओड़िशा लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षा में आर्थिक और सांख्यिकी निदेशालय ओड़िशा में सहायक निदेशक पद पर चयनित हुए।

Mr. Bikash Kumar Nayak, a student of the Department of Statistics of the batch 2020-22 got selected as Assistant Director in the department Directorate of Economics and Statistics (DE&S), by Odisha Public Service Commission.

नयी नियुक्ति
NEW JOINING

डॉ. मंजुश्री सिंह, *सह-प्राध्यापक*

डॉ. मंजूश्री सिंह 24 जुलाई 2024 को कृषि विभाग में सह-प्राध्यापक के रूप में विश्वविद्यालय में नियुक्त हुई। इस नियुक्ति से पहले वह नवसारी कृषि विश्वविद्यालय (एनएयू), गुजरात में कृषि अभियांत्रकी विभाग की प्रमुख थीं। डॉ. सिंह के पास अनुसंधान और इससे संबंधित क्षेत्रों का व्यापक अनुभव है, जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 20 से अधिक शोध आलेख, 6 पुस्तके और 6 मैनुअल लेखन और वैज्ञानिक और कृषक समाज के लिए 5 प्रस्तावों से प्रमाणित है। इन्होंने खेत प्रबंधक, प्रधान अन्वेषक (पीआई) के तौर पर 3 परियोजनाओं, और 2 सह परियोजनाओं में सेवा दी है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने एनएयू, नवसारी में एक रिमोट सेंसिंग, जीआईएस और हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग लैब की स्थापना की। डॉ. सिंह ने आईआईटी खड़गपुर से मृदा और जल संरक्षण अभियांत्रकी में M.Tech और पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है।

Dr. Manjushree Singh, *Associate Professor*

Dr. Manjushree Singh joined the University as an Associate Professor in the Department of Agriculture on 24 July 2024. Prior to this appointment, she was the Head of the Agricultural Engineering Department at Navsari Agricultural University (NAU), Gujarat. Dr. Singh brings extensive research and field experience, evidenced by over 20 research publications in national and international journals, authorship of 6 books and 6 manuals, and 5 recommendations for the scientific and farming communities. She has served as a farm manager, Principal Investigator (PI) on 3 plan projects, and Co-PI on 2 others. Additionally, she established a Remote Sensing, GIS, and Hydrological Modeling lab at NAU, Navsari. Dr. Singh completed her M.Tech and Ph.D. in Soil & Water Conservation Engineering from IIT Kharagpur.

डॉ. संजय कुमार प्रधान, *सह-प्राध्यापक*

डॉ. संजय कुमार प्रधान 24 जुलाई 2024 को पशुपालन विभाग में सह-प्राध्यापक के रूप में विश्वविद्यालय में नियुक्त हुए। इससे पहले वह नवसारी कृषि विश्वविद्यालय में पशु विज्ञान विभाग के प्रमुख थे। डॉ. प्रधान के विशिष्ट करियर में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 15 से अधिक प्रकाशन, 3 पुस्तकों और 5 मैनुअल लेखन और वैज्ञानिक और कृषक समाज के लिए 5 उल्लेखनीय सिफारिशें दर्ज हैं। उन्होंने माननीय कुलपति और कृषि संकायाध्यक्ष दोनों के तकनीकी अधिकारी के रूप में पाँच से अधिक वर्षों तक सेवा प्रदान की है। डॉ. प्रधान ने आईवीआरआई से एमवीएससी और एनएयू नवसारी से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है ।

Dr. Sanjay Kumar Pradhan, *Associate Professor*

Dr. Sanjay Kumar Pradhan joined the University as an Associate Professor in the Department of Animal Husbandry on 24 July 2024. Previously, he was the Head of the Animal Science Department at Navsari Agricultural University. Dr. Pradhan's distinguished career includes over 15 publications in national and international journals, authorship of 3 books and 5 manuals, and 5 notable recommendations for the scientific and farming communities. He also served for more than 5 years as Technical Officer to both the Honorable Vice-Chancellor and the Dean of Agriculture. Dr. Pradhan holds an MVSc from IVRI and a Ph.D. from NAU Navsari.

सुश्री ऐश्वर्यलक्ष्मी *सहायक प्राध्यापक*

सुश्री ऐश्वर्यलक्ष्मी एआर 22 जुलाई, 2024 को वन प्रबंधन विभाग में सहायक प्राध्यापक के तौर पर विश्वविद्यालय में नियुक्त हुईं। इस नियुक्ति से पहले उन्होंने छह महीने के लिए वानिकी कॉलेज में अतिथि संकाय के रूप में कार्य किया। उनके पास एक प्रभावशाली प्रकाशन रिकॉर्ड है, जिसमें वानिकी के क्षेत्र में कई लेख और पुस्तक अध्याय शामिल हैं। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेमिनार और सम्मेलनों में कई पत्र प्रस्तुत किए हैं। सुश्री ऐश्वर्यलक्ष्मी ने 2023 में केरल कृषि विश्वविद्यालय में एम .एस .सी वानिकी विषय में शीर्ष स्थान हासिल किया और पर्यावरण विज्ञान में यूजीसी-नेट और कृषि वानिकी में आईसीएआर एएसआरबी-नेट के लिए अर्हता प्राप्त की है। उनके शोध के विषय सिल्विकल्चर, एग्रोफोरेस्ट्री, वन प्रबंधन और सामान्य वानिकी पर केंद्रित हैं।

Miss Aiswaryalakshmi, *Assistant Professor*

Miss Aiswaryalakshmi A.R. joined the University as an Assistant Professor in the Department of Forest Management on July 22, 2024. Before this appointment, she served as Guest Faculty at the College of Forestry for six months. She has an impressive publication record, including several articles and book chapters in the field of forestry, and has presented her work at both national and international seminars and conferences. Miss Aiswaryalakshmi secured the top position in the M.Sc. Forestry program at Kerala Agricultural University in 2023 and has qualified for the UGC-NET in Environmental Science and the ICAR ASRB-NET in Agroforestry. Her research interests focus on silviculture, agroforestry, forest management, and general forestry.

लेफ्टिनेंट डॉ. अनुपम डाकुआ, *सहायक प्राध्यापक*

लेफ्टिनेंट डॉ. अनुपम डाकुआ 22 जुलाई 2024 को कृषि विभाग में सहायक प्राध्यापक के तौर पर ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में नियुक्त हुए। इससे पहले वे श्री श्री विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक थे। इसके अतिरिक्त उन्होंने अपना पीआरसीएन कोर्स पूरा किया और भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर एक कमीशन अधिकारी रहे हैं। डॉ. डाकुआ ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में कई पत्र प्रस्तुत किए हैं और गोपबंधु प्रशासन अकादमी में कई आमंत्रित व्याख्यान दिए हैं। उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है।

Lieut. Dr. Anupam Dakua, *Assistant Professor*

Lieutenant Dr. Anupam Dakua joined Central University of Odisha as an Assistant Professor in the Department of Agriculture on 22 July 2024. Before this, he was an Assistant Professor at Sri Sri University. Additionally, he completed his PRCN course and is a commissioned officer, holding the rank of Lieutenant in the Indian Army. Dr. Dakua has presented numerous papers at national and international conferences and delivered several invited lectures at Gopabandhu Academy of Administration. He earned his Ph.D. from Banaras Hindu University, Varanasi.

डॉ. अनुशा के., *सहायक प्रोफेसर*

डॉ. अनुशा के. ने 22 जुलाई 2024 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पशुपालन और डेयरी विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यभार संभाला। CUO में शामिल होने से पहले, डॉ. अनुशा ने कॉलेज ऑफ डेयरी टेक्नोलॉजी, SVVU, तिरुपति में 3½ वर्षों तक सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्य किया। उन्हें वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (DSIR) द्वारा वित्त पोषित एक शोध परियोजना प्राप्त हुई है। उन्होंने नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टीट्यूट, करनाल से डेयरी माइक्रोबायोलॉजी में M.Tech. और Ph.D. की डिग्री प्राप्त की है। वे 10 अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध और समीक्षा लेख प्रकाशित कर चुकी हैं और भारतीय डेयरी संघ और खाद्य वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीविद (भारत) संघ की आजीवन सदस्य हैं।

Dr. Anusha K., *Assistant Professor*

Dr. Anusha K. began her role as an Assistant Professor in the Animal Husbandry and Dairying department at Central University of Odisha on July 22, 2024. Prior to joining CUO, she served as an Assistant Professor at the College of Dairy Technology, SVVU, Tirupati, for 3½ years. Dr. Anusha has been awarded a research project funded by the Department of Scientific and Industrial Research (DSIR). She holds an M.Tech. and Ph.D. in Dairy Microbiology from the National Dairy Research Institute, Karnal. With 10 research and review articles in international journals, she is a life member of the Indian Dairy Association and the Association of Food Scientists and Technologists (India).

डॉ. चंद्रशेखर बी., *सहायक प्रोफेसर*

डॉ. चंद्रशेखर बी. ने 25 जुलाई 2024 को ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पशुपालन और डेयरी विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यभार संभाला। CUO में शामिल होने से पहले, वे सम हिगिनबॉटम विश्वविद्यालय, प्रयागराज में वॉर्नर कॉलेज ऑफ डेयरी टेक्नोलॉजी में डेयरी माइक्रोबायोलॉजी के सहायक प्रोफेसर रहे, जहां उन्होंने 2 वर्षों से अधिक समय तक सेवा दी। उन्होंने आईसीएआर-एनडीआरआई, करनाल और नई दिल्ली से डेयरी माइक्रोबायोलॉजी में एम.टेक. और पीएच.डी. की डिग्री प्राप्त की है। डॉ. चंद्रशेखर ने प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में कई शोध प्रकाशित किए हैं।

Dr. Chandrasekhar B., *Assistant Professor*

Dr. Chandrasekhar B. joined the Central University of Odisha as an Assistant Professor in the department of Animal Husbandry and Dairying on July 25, 2024. Before this, he was an Assistant Professor in Dairy Microbiology at Warner College of Dairy Technology, Sam Higginbottom University of Agriculture, Technology and Sciences, Prayagraj, for over two years. He earned his M.Tech. and Ph.D. in Dairy Microbiology from ICAR-NDRI, Karnal and New Delhi, respectively. Dr. Chandrasekhar has numerous research publications in prestigious international and national journals.

डॉ. देबदत्त पंडा, *सहायक प्राध्यापक*

डॉ. देबदत्त पंडा 22 जुलाई, 2024 को कृषि विभाग में सहायक प्राध्यापक के तौर पर विश्वविद्यालय में नियुक्त हुई। इससे पहले उन्होंने 11 महीने तक सीयूओ में कृषि विभाग में अतिथि संकाय के रूप में कार्य किया। उन्होंने टीएनएयू, कोयंबटूर से जेनेटिक्स और प्लांट ब्रीडिंग में विशेषज्ञता के साथ कृषि में पीएचडी की अपाधि प्राप्त की है। उनका शोध कपास और चने के प्रजनन के साथ-साथ कपास में प्रीब्रीडिंग पर केंद्रित है। डॉ. पंडा ने आईसीएआर-नेट (एएसआरबी) और गेट परीक्षा उत्तीर्ण की है और प्रसिद्ध राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं और संपादित संस्करणों में कई शोध-पत्र, समीक्षा लेख और पुस्तक अध्याय प्रकाशित किए हैं। उन्होंने विभिन्न स्तरों पर विभिन्न सेमिनारों और सम्मेलनों में भी भाग लिया है।

Dr. Debadatta Panda, *Assistant Professor*

Dr. Debadatta Panda joined the University as an Assistant Professor in the Department of Agriculture on July 22, 2024. Before this role, she served as Guest Faculty in the Department of Agriculture at CUO for 11 months. She holds a Ph.D. in Agriculture with a specialization in Genetics and Plant Breeding from TNAU, Coimbatore. Her research focuses on cotton and chickpea breeding, as well as prebreeding in cotton. Dr. Panda has cleared the ICAR-NET (ASRB) and GATE exams, and has published several research papers, review articles, and book chapters in renowned national and international journals and edited volumes. She has also participated in various seminars and conferences at different levels.

श्री ज्योतिरादित्य दास, *सहायक प्राध्यापक*

श्री ज्योतिरादित्य दास 22 जुलाई, 2024 को वन प्रबंधन विभाग में सहायक प्राध्यापक के तौर पर विश्वविद्यालय में नियुक्त हुए। उन्होंने डॉ. यशवंत सिंह परमार बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन में भाकृअनुप-जेआरएफ कार्यक्रम के माध्यम से अर्हता प्राप्त करते हुए, सिल्विकल्चर में विशेषज्ञता के साथ वानिकी में मास्टर डिग्री प्राप्त की है। श्री दास ने एएसआरबी-नेट परीक्षा भी पास कर ली है। उनके अनुसंधान के विषय में सिल्विकल्चर और वन वनस्पति विज्ञान हैं। उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया है और सम्मानित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में कई शोध-पत्र और पुस्तक अध्याय प्रकाशित किए हैं।

Mr. Jyotiraditya Das, *Assistant Professor*

Mr. Jyotiraditya Das joined the University as an Assistant Professor in the Department of Forest Management on July 22, 2024. He holds a Master's degree in Forestry with a specialization in Silviculture, having qualified through the ICAR-JRF program at Dr. Yashwant Singh Parmar University of Horticulture and Forestry, Solan. Mr. Das has also cleared the ASRB-NET exam. His research interests include Silviculture and Forest Botany. He has actively participated in various national and international conferences and has published numerous research papers and book chapters in esteemed national and international journals.

डॉ. लोपामुद्रा बेहरा, *सहायक प्राध्यापक*

डॉ. लोपामुद्रा बेहरा 22 जुलाई, 2024 को कृषि विभाग में सहायक प्राध्यापक के तौर पर विश्वविद्यालय में नियुक्त हुई। उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में माइकोलॉजी और प्लांट पैथोलॉजी विभाग से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। डॉ. बेहरा ने प्रसिद्ध पत्रिकाओं में 10 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं, कई पुस्तक अध्याय लिखे हैं, और विभिन्न पत्रिकाओं में 10 से अधिक लोकप्रिय लेखों का योगदान दिया है। उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में अपना पत्र प्रस्तुत किया है। इनकी विशेषज्ञता प्लांट-माइक्रोब्स इंटरैक्शन और प्लांट डिजीज मैनेजमेंट है।

Dr. Lopamudra Behera, *Assistant Professor*

Dr. Lopamudra Behera joined the University as an Assistant Professor in the Department of Agriculture on July 22, 2024. She qualified her Ph.D. from the Department of Mycology and Plant Pathology at Banaras Hindu University, Varanasi. Dr. Behera has published 10 research papers in renowned journals, authored numerous book chapters, and contributed over 10 popular articles to various magazines. She has presented her work at several national and international conferences. Her specialization lies in Plant-Microbes Interactions and Plant Disease Management.

डॉ. सुभस्मिता परिडा *सहायक प्राध्यापक*

डॉ. सुभस्मिता परिडा 22 जुलाई, 2024 को वन प्रबंधन विभाग में सहायक प्राध्यापक के तौर पर विश्वविद्यालय में नियुक्त हुईं। इससे पहले, वह 11 महीने के लिए सीयूओ में अतिथि संकाय थीं। उन्होंने जेएनकेवीवी, जबलपुर से सिल्विकल्चर और एग्रोफोरेस्ट्री में विशेषज्ञता के साथ पीएचडी की उपाधि प्राप्त की और आईसीएआर की जेआरएफ और एसआरएफ परीक्षाओं में तीसरा और दूसरा स्थान प्राप्त किया। डॉ. परिडा ने एग्रोफोरेस्ट्री में आईसीएआर-एएसआरबी नेट और पर्यावरण विज्ञान में यूजीसी नेट जेआरएफ के लिए भी अर्हता प्राप्त की हैं। उन्हें विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक और OUAT से सर्वश्रेष्ठ बालिका स्नातक पुरस्कार मिला। उन्होंने दो पाठ्यपुस्तक लिखीं और कई शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। उनके अनुसंधान के विषय सिल्विकल्चर, एग्रोफोरेस्ट्री, बांस और वन प्रबंधन हैं।

Dr. Subhasmita Parida, *Assistant Professor*

Dr. Subhasmita Parida joined the University as an Assistant Professor in the Department of Forest Management on July 22, 2024. Before this, she was a Guest Faculty at CUO for 11 months. She earned her Ph.D. from JNKVV, Jabalpur, specializing in Silviculture and Agroforestry, and ranked 3rd and 2nd in ICAR's JRF and SRF exams. Dr. Parida also qualified for the ICAR-ASRB NET in Agroforestry and the UGC NET JRF in Environmental Sciences. She received a University Gold Medal and the Best Girl Graduate award from OUAT. She authored two textbooks and published numerous research papers. Her research interests include Silviculture, Agroforestry, Bamboo, and Forest Management.

श्री सुमन समुई, *सहायक प्राध्यापक*

श्री सुमन समुई 22 जुलाई, 2024 को कृषि विभाग, सीयूओ में सहायक प्राध्यापक के तौर पर नियुक्त हुए। सीयूओ, कोरापुट में उसी विभाग में अतिथि संकाय के रूप में 2023 से अपनी नयी नियुक्ति तक काम किया। उन्होंने 2020 में बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल से कृषि विज्ञान विभाग में M.Sc(एजी) पूरा किया है। उन्हें उनके M.Sc शोध कार्य के लिए इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी से बेस्ट M.Sc थीसिस अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उन्होंने एग्रोनॉमी में 72% अंकों के साथ ASRB ICAR NET उत्तीर्ण किया है। उन्होंने अब तक 5 शोध पत्रिकाएं, 3 पुस्तक अध्याय और 1 पुस्तिका प्रकाशित की है। इनका अनुसंधान क्षेत्र एग्रोनॉमिक क्रॉप प्रोडक्शंस, ऑर्गेनिक फार्मिंग, म्यूनिसिपल बायो-वेस्ट मैनेजमेंट, कंजर्वेशन एग्रीकल्चर, वीड मैनेजमेंट हैं।

Mr. Suman Samui, *Assistant Professor*

Mr. Suman Samui joined as Assistant Professor in the Department of Agriculture, CUO on 22nd July, 2024. Prior to his joining he worked as Guest Faculty in the same department at CUO, Koraput since 2023 upto his new joining. He completed is M.Sc (Ag) in Agronomy Department from Bidhan Chandra Krishi Viswavidyalaya, West Bengal in 2020. He has been awarded with the Best M.Sc Thesis Award from the Indian Society of Agronomy for his M.Sc research work. He has qualified ASRB ICAR NET with 72% marks in Agronomy. He has published 5 research journals, 3 book chapters and 1 booklet till now. His research area includes Agronomic Crop Productions, Organic Farming, Municipal Bio-waste Management, Conservation Agriculture, Weed management.

श्री सुमित कुमार बेहरा, *सहायक प्राध्यापक*

श्री सुमित कुमार बेहरा 30 मई, 2024 को पत्रकारिता और जनसंचार विभाग में सहायक प्राध्यापक के रूप में नियुक्त हुए। इससे पहले वे रेवेंशा विश्वविद्यालय, कटक, ओड़िशा में पत्रकारिता और जनसंचार विभाग में एक संकाय सदस्य थे। उन्होंने ओड़िशा टेलीविजन प्राइवेट लिमिटेड (ओटीवी) के साथ ओड़िशा पोस्ट के लिए एक वरिष्ठ अपराध संवाददाता के रूप में और न्यूज वर्ल्ड ओड़िशा समाचार चैनल में एक वरिष्ठ संवाददाता के रूप में भी काम किया है। वर्तमान में फकीर मोहन विश्वविद्यालय, बालासोर, ओड़िशा से पीएचडी कर रहे हैं।

Mr Sumit Kumar Behera, *Assistant Professor*

Mr. Sumit Kumar Behera joined as an Assistant Professor in the Department of Journalism and Mass Communication on May 30, 2024. Prior to this, he was a faculty member in the Department of Journalism and Mass Communication at Ravenshaw University, Cuttack, Odisha. He has also worked with Odisha Television Pvt Ltd (OTV), as a Senior Crime Reporter for Orissa Post, and as a Senior Correspondent at News World Odisha news channel. He is currently pursuing his PhD at Fakir Mohan University, Balasore, Odisha.

Volume - 8, No. - 3
JULY, 2024

CUO in NEWS

समाचार पत्रों में सीयूओ

INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT

Construction of the Residential Quarters in the CUO permanent campus at Sunabeda is on the verge of completion.

Construction of the Health Centre in CUO permanent campus at Sunabeda is on the verge of completion.

Construction of the First Permanent Academic Block in CUO permanent campus at Sunabeda is on the verge of completion.

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय

CENTRAL UNIVERSITY OF ODISHA

(A Central University established by an Act of Parliament)

कोरापुट | **KORAPUT**

Email : pro@cuo.ac.in

Contact: 7873234023